विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 161 | गौतमबुद्धनगर, शुक्रवार 10 मई 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

होटल कब्जाने के लिए हुई कारोबारी के बेटे की हत्या

P- 4

कमलापुर थाना क्षेत्र में पंजाब पुलिस ने पैदल मार्च लोगों से निर्भीक होकर

P- 5

नासा ने की बड़ी तैयारी- चांद पर चलेगी चंद्रमा एसप्रेस ट्रेन

P- 6

नीरज चोपड़ा को लग्जरी वॉच ब्रांड ओमेगा ने बनाया ब्रांड एबेसडर

हैप्पी मॉर्निंग

एक बार एक दामाद शराब पी के घर लौटा।
फिर ससुराल वालों से बचने के लिए चुपचाप सूटकेस पर काम करने लगा।
ससुर - आज फिर पी के आए हैं? दामाद - नहीं।
ससुर - तो, सूटकेस खोल के क्या रेडियो स्टेशन लगा रहे हैं।

शायरी

यदि हम आतंकवाद के जवाब में मानव अधिकारों और क़ानून के शासन को नष्ट कर देते हैं तो ये उनकी जीत है।

अर्थसार

सेंसेक्स:
72,404.17
-1,062.22 (1.45%)
निफ्टी:
21,957.50
-345.00

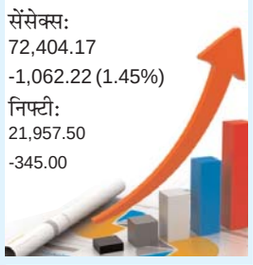

मौसम

अधिकतम : 40 डिग्री से0
न्यूनतम : 29 डिग्री से
सूयोदय शनिवार : 5 : 43
सूर्यास्त शुक्रवार : 7 : 00

छत्तीसगढ़ में 6 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 36 लाख रुपए के है इनामी

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में गुरुवार को दो महिलाओं समेत छह नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण किया। इन नक्सलियों पर कुल 36 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इन नक्सलियों ने पुलिस के 'पूना नर्कोम' (नई सुबह, नई शुरुआत) अभियान से प्रभावित होकर हिंसा छोड़ने एवं समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया।

नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल हमले समेत कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है।

सरेंडर करने वाले छह नक्सलियों के बारे में जानकारी देते हुए सुकमा पुलिस अधीक्षक किरण चव्हान ने बताया कि दूधी पोज्जा (27) और उसकी पत्नी दूधी पोज्जे (24) के अलावा महिला नक्सली अयाते कोरसा (51) उर्फ जयक्का, कवासी मुड़ा (30), कारम नारन्ना उर्फ भूमा (65) और मड़कम सुक्का उर्फ रेणु (35) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया।

पुलिस ने बताया कि दूधी पोज्जे के सिर पर 8 लाख रुपए, जयक्का पर 5 लाख रुपए, कवासी मुड़ा पर 5 लाख रुपए, कारम नारन्ना पर 5 लाख रुपए और सुक्का पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें से पोज्जा नक्सलियों की पीपुल्स लिब्रेशन गोरिल्ला आर्मी की बटालियन नम्बर 1 का सदस्य था, साथ ही वह पीपुल्स पार्टी कमिटी मेम्बर से भी जुड़ा हुआ था। उसकी पत्नी पोज्जे भी PLGA की बटालियन नम्बर 1 की सदस्य थी।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 की मौत

इनमें पांच महिलाएं शामिल है, जबकि कई अन्य घायल हो गए

विरुधुनगर । तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में आज गुरुवार(09 मई) दोपहर को बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, शिवकाशी के पास एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हो गया। इस भयानक विस्फोट में 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिलाएं शामिल है। जबकि कई अन्य घायल हो गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। पटाखा फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने का प्रयास जारी है। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

विस्फोट होते ही मची चीख-पुकार

बता दें कि विरुधुनगर जिले के शिवकाशी में एक सुनसान जगह पर पटाखा फैक्ट्री चलाई जा रही थी। रोज की तरह गुरुवार को भी फैक्ट्री में पटाखा बनाने का काम हो रहा था। मजदूर काम में जुटे थे। इसी बीच अचानक फैक्ट्री में रखे पटाखे में विस्फोट गया।

विस्फोट होते ही फैक्ट्री के अंदर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में फैक्ट्री के बाहर खड़े लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड की टीम को घटना की जानकारी दी।

घटनास्थल पर पहुंचे कलेक्टर जयसेलन

कलेक्टर जयसेलन और एसपी ने रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। कलेक्टर जयसेलन ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से कुल आठ लोगों की मौत हुई है। मृतकों में आठ महिलाएं हैं। कुछ अन्य लोग भी घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कलेक्टर जयसेलन ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट कैसे हुआ, इसकी जांच-पड़ताल की जा रही है। अभी हमारा पूरा फोकस फैक्ट्री में लगी आग को बुझाने पर है। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के केबिन क्रू ने हड़ताल वापस ली

बर्खास्त 25 कर्मचारी बहाल होंगे; 7 मई को 200 क्रू-मेंबर्स छुट्टी पर चले गए थे

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस के कर्मचारियों ने गुरुवार शाम 8 बजे हड़ताल वापस ले ली। चीफ लेबर कमिश्नर ने कहा कि एयरलाइन बर्खास्त 25 कर्मचारियों को नौकरी पर वापस लेगी। एअर इंडिया एक्सप्रेस के 200 से ज्यादा क्रू-मेंबर्स 7 मई की रात को अचानक छुट्टी पर चले गए थे। बुधवार से ही काम पर नहीं आ रहे थे। इन सभी कर्मचारियों ने एक साथ पहले सिक लीव अप्लाई की और अपना मोबाइल फोन ऑफ कर लिया था। इस वजह से मंगलवार रात से 170 से ज्यादा उड़ानें रद्द की गईं। एयरलाइन ने कल सुबह 10 बजे 25 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। एयरलाइन ने बाकी कर्मचारियों से कहा कि आज शाम 4 बजे तक नौकरी पर लौट आएं। ऐसा न करने पर सबको निकाल दिया जाएगा।

एयरलाइन के इस पूरे विवाद में चीफ लेबर कमिश्नर ने मध्यस्थता की। एयरलाइन और एअर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधियों के बीच दिल्ली के द्वारका स्थित चीफ लेबर कमिश्नर ऑफिस में मुलाकात हुई।

समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 28 मई को मीटिंग होगी

भारतीय मजदूर संघ के सचिव गिरीश चंद्र आर्य ने कहा, चीफ लेबर कमिश्नर ने हमें सुलह के लिए बुलाया था। मैनेजमेंट से सीनियर मेंबर्स आए और यूनियन से भी मेंबर्स आए। सभी समस्याओं पर चर्चा हुई और 25 क्रू मेंबर्स के टर्मिनेशन को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला लिया गया। सभी क्रू मेंबर्स प्रोसिजर को फॉलो करते हुए फौरन ड्यूटी पर वापस आएंगे। इसके साथ ही जो भी समस्या है वह अपने हायर मैनेजमेंट के साथ बैठकर चर्चा करेंगे और समाधान करेंगे। यदि किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता है तो 28 मई को मीटिंग होगी।

वैजयंती माला सहित 67 हस्ती पद्म पुरस्कारों से सम्मानित

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सुप्रसिद्ध अभिनेत्री वैजयंती माला बाली सहित 67 हस्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए बृहस्पतिवार को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में दो हस्तियों को पद्म विभूषण, नौ को पद्म भूषण और 56 को पद्म श्री पुरस्कारों से सम्मानित किया। डा वैजयंती माला बाली और के चिरंजीवी को कला के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। न्यायमूर्ति एम फातिमा बीवी (मरणोपरांत), होरमसजी एन कामा, डा अश्विन बालाचंद मेहता, सत्य व्रत मुखर्जी (मरणोपरांत), ओ राजगोपाल और कैप्टन विजयकांत (मरणोपरांत) सहित नौ हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

हादसा | आसपास के लोगों ने किसी तरह चारों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया

सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हादसा, जहरीली गैस से 4 की मौत

मुगलसराय। चंदौली के मुगलसराय में जहरीली गैस से 4 लोगों की मौत हो गई। बुधवार देर रात सेप्टिक टैंक की सफाई का काम चल रहा था। 3 मजदूर बारी-बारी से अंदर गए। मगर जाते ही बेहोश हो गए। तीनों को बचाने के लिए मकान मालिक का बेटा अंदर गया, वह भी बेहोश हो गया।

आसपास के लोगों ने किसी तरह चारों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने 4 को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतकों की पहचान अंकुर (23), विनोद रावत (35), लोहा (30) और कुंदन के रूप में हुई है। घटना देर रात 1: 30 बजे की है।

15 साल पुराने टैंक की सफाई करने गए थे

पूरा मामला मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के न्यू महल इलाके का है। यहां के रहने वाले भारत जायसवाल के मकान में सेप्टिक टैंक की सफाई का काम चल रहा था। मुगलसराय के काली महाल इलाके के 3 मजदूर बुलाए गए थे।

15 साल पुराने सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए एक मजदूर टैंक के अंदर गया। वह जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। उसे

निकालने के लिए दूसरा-तीसरा मजदूर अंदर गया। तीनों बेहोश हो गए। यह देखकर भारत का बेटा अंकुर सेप्टिक टैंक में उतरा, लेकिन वह भी बेहोश हो गया। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। सेप्टिक टैंक से किसी तरह चारों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया।

साथ गए चौथे मजदूर की आंखों देखी

दीपू ने बताया कि कुंदन ने सेफ्टी टैंक की सफाई करने का सौदा तय किया था। बुधवार की रात 11 बजे हम लोग भरत जायसवाल के घर पहुंचे। इसके बाद टीन काटने और कनेक्शन को रस्सी जोड़ने करीब 1 घंटे का समय लगा। उसके बाद हमने टैंक से पानी निकलना शुरू किया।

टैंक की ऊंचाई के अनुसार हमने कमर तक पानी निकाला। इसके बाद पहले सुमित उर्फ लोहा अंदर उतरा लेकिन वह गश्त खाकर उसमें गिर गया। इसके बाद कुंदन ने उसे निकालने की कोशिश की और वह भी अंदर चला गया। विनोद उन दोनों को बचाने का प्रयास करने लगा लेकिन वह भी टैंक में फंस गया।

उन्हें फंसा देख मकान मालिक का लड़का भी वहां पहुंचा जिसे हम लोगों ने रस्सी का फंदा बनाकर नीचे उतारा। लेकिन रस्सी का फंदा खुल गया जिससे वह भी टैंक में रह गया। इसके बाद मैंने घर पर फोन कर दो लोगों को बुलाया। फिर रस्सी के सहारे मैं अंदर गया और उन्हें बाहर निकाला। जिसमें कुंदन और सुमित की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि विनोद और मालिक के लड़के की मौत इलाज के दौरान हो गई।

कनाडा ने निज्जर की हत्या के साक्ष्य या जानकारी भारत के साथ साझा नहीं की

नयी दिल्ली। कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में जिन तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, उनकी नागरिकता एवं आरोप को साबित करने वाले कोई साक्ष्य या जानकारी भारत के साथ साझा नहीं की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित मीडिया ब्रीफिंग में कनाडा में तीन लोगों की गिरफ्तारी के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि कनाडा ने हमें मौखिक रूप से गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया है लेकिन हमें कोई औपचारिक रूप से दस्तावेज नहीं मिला है।

प्रवक्ता ने कहा कि इस संबंध में हमें कोई भी विशिष्ट साक्ष्य या आरोप को साबित करने वाली सूचना भी नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक स्तर पर बातचीत चल रही है और उसमें हमने कनाडा में भारतीय अपराधियों एवं अलगाववादियों को राजनीतिक प्रश्रय दिये जाने तथा राजनयिकों को धमकी दिए जाने के मामले भी उठाए हैं।

ईरान में बंधक एक कार्गो पोत पर चालक दल के सदस्यों में 16 भारतीय सदस्यों की रिहाई एवं स्वदेश वापसी के बारे में पूछे जाने पर प्रवक्ता ने कहा कि उनका वापस आना उनके संविदा संबंधी दायित्वों और कंपनी पर निर्भर करता है। हम उन्हें जल्द से जल्द रिहा कराने के लिए ईरानी सरकार के संपर्क में हैं।

आंध्र प्रदेश में मिला करोड़ रुपये कैश

पीवीसी पाइप ले जा रहे ट्रक से बरामद हुआ कैश

गरिकापाडु। लोकसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग ने काफी सख्त रुख अपना रखा है। आयोग ने कई जगह फ्लाइंग स्क्वायड लगा रखा है, जो चुनावों में हो रहे कोई भी अनाधिकृत कार्यों को रोकना का काम कर रहा है। इस बीच आंध्र प्रदेश में चुनाव से पहले पुलिस ने एनटीआर जिले में एक अंतरराज्यीय जांच चौकी पर बड़ी मात्रा में कैश जब्त किया है।

ट्रक में मिला 8.36 करोड़ रुपये कैश

दरअसल, चौकी पर एक पीवीसी पाइप ले जा रहे ट्रक को जैसे ही पुलिस ने रोककर जांच की, तो उसके होश उड़ गए। पाइप के साथ उसे 8.36 करोड़ रुपये कैश मिला। पुलिस ने वाहनों की जांच के दौरान गरिकपाडु गांव में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना अंतर-राज्य चेक-पोस्ट पर ये पैसे जब्त किए।

ये कार्रवाई 2024 के चुनावों में सबसे बड़ी एकल नकदी जब्ती है। पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया, हमने हैदराबाद से गुंटूर जा रहे ट्रक में ड्राइवर की सीट के पीछे एक केबिन में छिपाई गई 8.36 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की।

गुजरात के भरूच से पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

भरूच। गांधीनगर सीआईडी क्राइम ब्रांच ने भरूच जिले के अंकलेश्वर से प्रवीण मिश्रा नाम के एक पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट को गिरफ्तार किया है। इस पर पाकिस्तानी एजेंसियों को भारतीय सुरक्षा बलों के इस्तेमाल की जाने वाले मिसाइल और ड्रोन तकनीक के बारे में अहम जानकारियां देने का आरोप है। आरोपी से पूछताछ जारी है। जांच में पता चला है कि प्रवीण मिश्रा को पाकिस्तानी एजेंसियों ने सोशल मीडिया के जरिए हनीट्रैप किया था। सीआईडी क्राइम ब्रांच पिछले एक महीने से इस मामले की जांच कर रही थी। प्रवीण इस्लामाबाद और कराची स्थित पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और सेना के आकाओं तक सूचनाएं पहुंचा रहा था। जानकारी फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए भेजता था। प्रवीण अंकलेश्वर जीआईडीसी की एक फैक्ट्री में काम करता था और एयरफोर्स से जानकारियां और तस्वीरें जुटाकर पाकिस्तान पहुंचाता था।

propre
Luxury Real Estate
INVESTMENT OPPORTUNITIES
Near jewar Airport
More Information
+91 9871577057
www.propreluxuryrealestate.com

लोगों को अपना घरेलू खर्च चलाना हुआ मुश्किल

महंगाई एक ऐसा मुद्दा है जो आजकल सभी के जीवन में प्रमुख बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता वस्तुओं, सेवाओं, और आवश्यकताओं की कीमतों में तेज़ी से वृद्धि हुई है, जिससे आम जनता को अपने घरेलू खर्च को नियंत्रित करने में मुश्किल हो रही है। महंगाई की वजह से लोगों के जीवन में आर्थिक तनाव बढ़ रहा है, और उन्हें अपने बजट को फिर से व्यवस्थित करने की आवश्यकता महसूस हो रही है।

महंगाई के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जो अर्थव्यवस्था की व्यापक स्थिति और वैश्विक परिवेश से जुड़े होते हैं। कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं :

मुद्रास्फीति : मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति होती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ जाती हैं।

उत्पादन लागत : कच्चे माल, ऊर्जा, और श्रम की बढ़ती कीमतों के कारण उत्पादन लागत बढ़ जाती है, जिससे उत्पादकों को अपनी कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं।

मांग और आपूर्ति : जब किसी वस्तु या सेवा की मांग अधिक होती है और आपूर्ति कम होती है, तो उसकी कीमत में वृद्धि हो जाती है।

वैश्विक कारक : अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल, धातु, और अन्य कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि से स्थानीय बाजार प्रभावित होते हैं।

महंगाई के बढ़ते स्तर का प्रभाव सभी क्षेत्रों और आर्थिक वर्गों पर पड़ता है। इसके कुछ मुख्य प्रभाव इस प्रकार हैं

घरेलू बजट : लोगों को अपने घरेलू खर्चों में कटौती करनी पड़ती है या अपनी आय के अनुरूप उन्हें पुन: व्यवस्थित करना पड़ता है।

बचत पर प्रभाव : महंगाई के कारण बचत पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि बचत का मूल्य कम हो जाता है।

आय असमानता : महंगाई से आय असमानता बढ़ जाती है क्योंकि निम्न और मध्य वर्ग के लोगों के लिए अपने खर्चों को नियंत्रित करना मुश्किल होता है।

व्यवसायों पर प्रभाव : महंगाई व्यवसायों को भी प्रभावित करती है क्योंकि उनकी उत्पादन लागत बढ़ जाती है और वे अपने ग्राहकों को उच्च कीमतें चार्ज करने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

महंगाई के दौर में अपने घरेलू खर्च को नियंत्रित करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन कुछ उपायों को अपनाकर इसे सरल बनाया जा सकता है :

बजट बनाएं : अपने मासिक आय और खर्चों का स्पष्ट बजट बनाएं। इससे आपको पता चलेगा कि आपके पास कितना पैसा बचता है और कहाँ खर्च करना है।

प्राथमिकताएं निर्धारित करें : अपने खर्चों को प्राथमिकता दें और गैर-ज़रूरी खर्चों में कटौती करें।

खरीदारी में सावधानी : खरीदारी करते समय बाजार की तुलना करें और उन वस्तुओं को चुनें जिनकी कीमतें कम हों।

बचत पर ध्यान दें : नियमित बचत के लिए एक रणनीति बनाएं और उसे निभाएं। बचत आपके लिए भविष्य में सुरक्षा का स्रोत बन सकती है।

कर्ज पर नियंत्रण : कर्ज के प्रबंधन पर ध्यान दें और आवश्यकतानुसार ही कर्ज लें।

सस्ता विकल्प चुनें : महंगे उत्पादों के बजाय सस्ते विकल्पों का चयन करें, जैसे कि घर पर खाना बनाना या घर की देखभाल खुद करना।

आय बढ़ाने के उपाय : अपनी आय बढ़ाने के लिए अन्य स्रोतों की खोज करें, जैसे कि अंशकालिक कार्य या फ्रीलांस काम।

नासूर बनते बाल विवाह

रमेश सर्राफ धमोरा

हमारे देश में प्राचीन समय से कुछ ऐसी प्रथाएं चली आ रही है। जिसका लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जिनमें बाल विवाह भी एक हैं। किसी भी बच्चे की शादी उसके निश्चित आयु से पहले यानी बाल्यकाल में होना बाल विवाह कहलाता है। यह एक रूढ़िवादी प्रथा है। यह प्रथा बच्चों की सारे मनवा अधिकारों को खत्म कर देता है। जैसे- खेलकूद, मनोरंजन, शिक्षा आदि के अधिकारों को समाप्त कर उन्हें ऐसे बंधन में बांध दिया जाता है, जिसके बारे में उन्हें बिल्कुल भी ज्ञान नहीं होता है। प्राचीन सभी प्रथाओं में बाल विवाह सबसे बड़ा कुप्रथा है। क्योंकि कम उम्र में बच्चों की शादी कर देने से उनके स्वास्थ्य, शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ उनके खुशहाल जीवन पर असर पड़ता है। साथ ही वह अपने शिक्षा और खेलकूद के अधिकारों आदि से वंचित रह जाते हैं। इस कुप्रथा का शिकार ज्यादातर कम उम्र की लड़कियां होती है। बाल्यकाल में विवाह होने से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास नहीं हो पाता है।

विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। यह जीवन का एक कड़वा सच है कि आज भी छोटे-छोटे बच्चे इस प्रथा की भेंट चढ़े जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियां खुद भी आगे आकर अपना बाल विवाह रुकवाने का प्रयास करने लगी है। भारत में यह प्रथा लम्बे समय से चली आ रही है जिसके तहत छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज के पढ़े लिखे समाज में भी यह प्रथा अपना स्थान बनाए हुए है। जो बच्चे अभी खुद को भी अच्छे से नहीं समझते। जिन्हें जिन्दगी की कड़वी सच्चाईयों का कोई ज्ञान नहीं। जिनकी उम्र अभी पढने लिखने की होती है। उन्हे बाल विवाह के बंधन में बांधकर क्यों उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है।

देश में बाल विवाह के 50 प्रतिशत से अधिक मामले केवल 5 राज्यों से संबंधित हैं जिनमें उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। शेष चार राज्यों में बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश शामिल हैं। वर्तमान में भारत में बाल विवाह के लगभग 22 प्रतिशत मामले हैं जो कि लगातार कम हो रहे हैं। इसके प्रमुख कारणों में महिलाओं में साक्षरता और जागरूकता का बढ़ना, शिक्षा के प्रसार के कारण लड़कियों के प्रति अभिभावकों की सोच में परिवर्तन आना, शहरीकरण में वृद्धि तथा कठोर कानूनों की उपस्थिति को माना जा सकता है।

भारत में बाल विवाह में गिरावट आई है। लेकिन देश में पांच लड़कियों में से एक और छह लड़कों में से एक की अभी भी बचपन में शादी कर दी जाती है। हाल के वर्षों में यह प्रथा कुछ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में अधिक प्रचलित हो गई है। दिसंबर 2023 में द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार यह अनुमान लगाने वाले पहले अध्ययनों में से एक है कि राज्य व केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर समय के साथ लड़की और लड़के के बाल विवाह की दर में क बदलाव आया है। अध्ययन में पाया गया कि 1993 से 2021 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर बाल विवाह में गिरावट आई है। बालिका बाल विवाह का प्रचलन 1993 में 49 प्रतिशत से घटकर 2021 में 22 प्रतिशत हो गया। जबकि बालक बाल विवाह 2006 में 7 प्रतिशत से घटकर 2021 में 2 प्रतिशत हो गया। बाल विवाह के प्रचलन में सबसे बड़ी कमी 2006 और 2016 के बीच हुई। सबसे कम कमी 2016 से 2021 के बीच हुई। इन बाद के वर्षों के दौरान छह राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में बालिका विवाह में वृद्धि देखी गई।

आंकड़ों से साफ है कि आजादी के 77 साल बाद भी इस देश में महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। हम अपनी बेटियों को बाल विवाह और कम उम्र की गर्भावस्था से नहीं बचा पाए हैं। यही कारण है कि इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) के शिकार हैं। यूनिसेफ द्धारा जारी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत के कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है। लेकिन कई प्रदेशों में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार, किशोरियों के कल्याण के लिये सरकार द्वारा किये गए निवेश व कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कुप्रथा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है। यूनिसेफ के अनुसार अन्य सभी राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट लाए जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू कि ओर इशारा करती हैं। जिसे अक्सर हम रीति-रिवाज व परम्परा के नाम पर अनदेखा करते हैं। देश में बाल विवाह के खिलाफ कानून बने हैं और समय-समय पर उसमें संशोधन कर उसे ओर प्रभावशाली बनाया गया हैं। फिर भी लगातार बाल विवाह हो रहे हैं। भारत में बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम सन् 1929 में पारित किया गया था। बाद में सन् 1949, 1978 और 2006 में इसमें संशोधन किये गए। बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह कराने पर 2 साल की जेल व एक लाख रुपए का दंड निर्धारित किया है।

अगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। तो इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण है इसके प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी। जब तक समाज में बल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता नहीं आएगी तब तक यह कुरीति खत्म नही होने वाली है। बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। सिर्फ कानून के भरोसे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को नहीं रोका जा सकता है। देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से खत्म करना है तो इसके लिए समाज को ही आगे आना होगा तथा बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा।

समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करना होगा। सरकार को भी बाल विवाह की रोकथाम के लिये बने कानून का कड़ाई से पालन करवाना होगा। बाल विवाह प्रथा के खिलाफ समाज में जोरदार अभियान चलाना होगा। साथ ही सरकार को विभिन्न रोजगार के कार्यक्रम भी चलाने होंगे ताकि गरीब परिवार गरीब परिवारों की बच्चियां बाल विवाह का निशाना न बन पाएं।

कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में

हमारे यहां टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है।

एक बार फिर भारत में हुआ कोरोना टीकाकरण सवालों के घेरे में आ गया है। दरअसल, ब्रिटेन की कोरोना टीका बनाने वाली कंपनी एस्ट्राजेनेका ने वहां के उच्च न्यायालय में स्वीकार किया है कि उसके टीके का दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव हो सकता है। इससे खून के थक्के जमने, खून में प्लेटलेट घटने और इस वजह से दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो सकता है।

अब कंपनी ने दुनिया भर से अपने टीके वापस मंगाने का फैसला किया है। इससे भारत में भी लोगों में एक प्रकार का खौफ पैदा हो गया है। दरअसल, भारत में लगाया गया कोविशील्ड टीका एस्ट्राजेनेका के फार्मूले पर ही तैयार किया गया, जिसका उत्पादन पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट ने किया था। हमारे यहां इसके टीकाकरण को लेकर शुरू में ही विवाद छिड़ गया था। तब विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि उचित प्रक्रिया से परीक्षण किए बगैर इसे व्यापक स्तर पर लगाया जा रहा है।

मगर तब सरकार, तमाम चिकित्सा विशेषज्ञ, यहां तक कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने भी बार-बार लोगों को आश्वस्त किया था कि कोरोना के टीके पूरी तरह सुरक्षित हैं। मगर इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि कोविशील्ड को चूंकि ब्रिटेन में मान्यता मिल चुकी थी, इसलिए भारत में उसे तीन के बजाय दो चरण में परीक्षण कराने के बाद ही मंजूरी दे दी गई थी।

टीकाकरण के बाद यहां भी कई लोगों ने शिकायत करनी शुरू कर दी थी कि उनके शरीर पर टीके का दुष्प्रभाव पड़ा है। पिछले साल जब देश में दिल का दौरा पड़ने के मामलों में उछाल दर्ज किया गया, उत्सवों में नाचते, कसरत करते या खेलते हुए अचानक लोगों के गिर कर मर जाने की घटनाएं बढ़ गईं, तो इसे लेकर संसद के मानसून सत्र में सवाल भी पूछे गए।

तब स्वास्थ्य मंत्री ने कहा था कि इस पर अलग-अलग संस्थाएं अध्ययन कर रही हैं और उनके नतीजे आने के बाद स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। मगर अभी तक इससे जुड़े एक भी अध्ययन की रिपोर्ट सामने नहीं आ सकी है। अब भी चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी टीके का दुष्प्रभाव उसके लगाने के चार से छह हफ्तों में प्रकट हो जाते हैं। अब दो साल से अधिक समय बीत जाने के बाद ऐसा कोई खतरा नहीं रह गया है। मगर लोगों में इसके दुष्प्रभावों को लेकर जो भय पैदा हो गया है, उसके निराकरण की दरकार बनी हुई है। यह ठीक है कि जिस तरह कोविड ने पांव पसारना शुरू किया था और उसकी चपेट में आकर लोगों की मौत हो रही थी, उस पर काबू पाने के तत्काल उपाय की जरूरत थी। ऐसे में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के उत्पादन से काफी राहत मिली थी। मगर सरकार इस तथ्य से आंख नहीं चुरा सकती कि टीकाकरण में जल्दबाजी दिखाई गई और इन्हें लेने के लिए लोगों को बाध्य किया गया।

यह भी तथ्य है कि दुनिया का कोई भी टीका सौ फीसद सुरक्षित होने का दावा नहीं कर सकता, हर किसी का कोई न कोई दुष्प्रभाव होता ही है। मगर इस आधार पर कोविशील्ड और कोवैक्सीन को संदेह के दायरे से बाहर नहीं रखा जा सकता। अभी तक सरकार कोरोना से हुई मौत के वास्तविक आंकड़े न जारी करने को लेकर सवालों से घिरी हुई है, अगर कोविशील्ड को लेकर भी उसने टालमटोल का रवैया अख्तियार किया, तो विवाद और बढ़ेगा ही।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3177

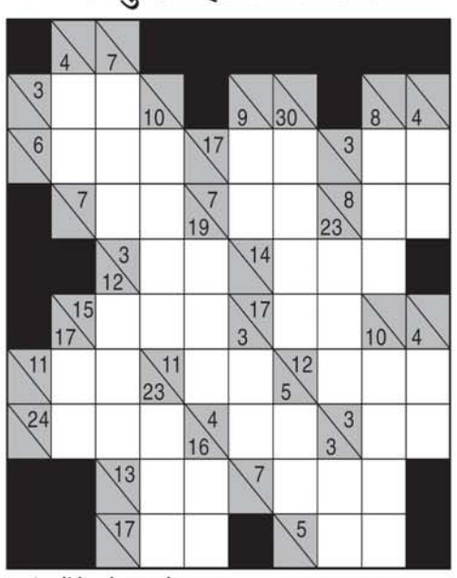

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

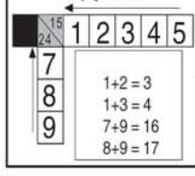

काकुरो - 3176 का हल

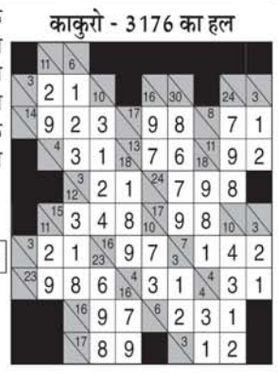

हंसी के फव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई, तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.' दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली, तो पत्नी को जगाते हुए बोली, 'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली, 'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई?' दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

फिल्म वर्ग पहेली- 3177

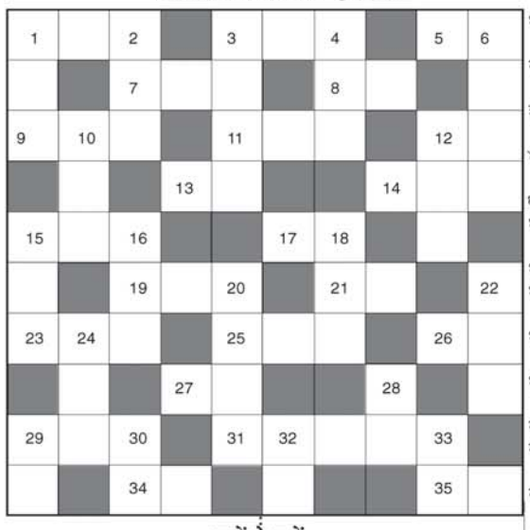

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3176

ब्लै	क	मे	ल		सौ	दा	ग	र	
	र्ज		की	म	त		द		माँ
आं		सू	र		न	फ	र	त	
दो	श	ह्म		खे		की		नु	
ल		ग	ज	ल		श	जा	जा	नी
न			मी		सं		ल		य
	गँ	बा	र		जो	र		अं	त
को		रि		आ	ग		जो	श	
ह	व	स		द		खु	शी		लै
श			ज	मी	न		ला	ड	ला

सूडोकु -3177

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3176 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 3177

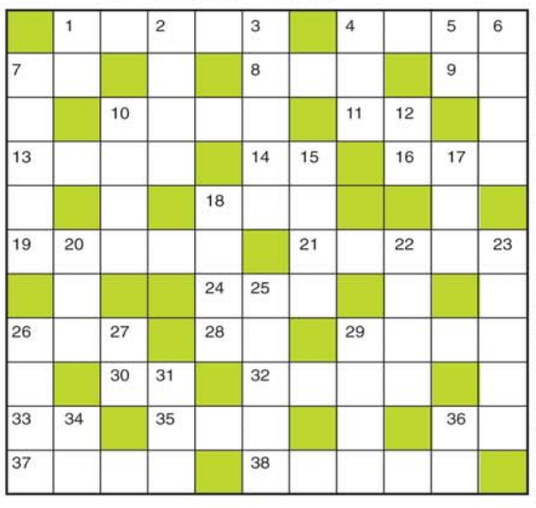

बाएँ से दाएँ

1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे

1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली -3176 का हल

अ	स	ह	नी	य			क	लि	का	
प	र		ला		सा	ग	र		बु	आ
ह			प	ह	रा		ण			खे
र	स	खा	न			म		क	प	ट
ण		लि		न	भ	च	र		रा	
	आ	स		सी		ल		ग	स्त	
	रा		प	ह	न	ना		रु		ड
शा	म	त		त			ता	र	ता	र
य			ते		जा	हि	र			ल
द	म		र	सी	ला		पी		ज	ग
	न	गी	ना			म	न	भ	र	ना

होटल कब्जाने के लिए हुई कारोबारी के बेटे की हत्या

ग्रेटर नोएडा की एमबीबीएस छात्रा को शामिल किया; क्राइम वेब सीरीज देखकर बनाया प्लान

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में कारोबारी के नाबालिग बेटे का अपहरण और हत्या ब्याज के रुपए और होटल हथियाने के लिए की गई थी। नोएडा पुलिस ने 3 आरोपियों को एनकाउंटर के बाद पकड़ा। बाद में पाई चौक से एमबीबीएस छात्रा तन्वी को गिरफ्तार किया गया। मुठभेड़ में एक आरोपी को गोली लगी, जिसका नाम भी कुणाल है। हिमांशु और मनोज को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा। मनोज होटल कारोबारी का रिश्तेदार है।

पुलिस ने बताया, एक क्राइम वेब सीरीज देखकर मनोज और हिमांशु ने प्लानिंग की। पुलिस को गुमराह करने के लिए भेष और गाड़ी बदली। घटना के समय हिमांशु गाड़ी चला रहा था। तन्वी और आरोपी कुणाल ने कारोबारी के बेटे कुणाल (मृतक) को गाड़ी में बैठाया। उस समय आरोपी कुणाल पैर से दिव्यांग होने की एक्टिंग करता रहा।

बुधवार रात बीटा-2 थाना पुलिस को सूचना मिली कि कुणाल की हत्या के आरोपी फिर कोई बड़ी वारदात करने वाले हैं। पुलिस ने देर रात ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी इलाके में चेकिंग शुरू की। तभी एक कार आती दिखी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया, तो बदमाश गाड़ी तेज चलाकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया, तो बदमाशों ने फायरिंग की। कुछ दूर जाकर बदमाशों की गाड़ी पेड़ से टकरा गई। इसके बाद तीनों आरोपी फायरिंग करते हुए पैदल भागने लगे।

1 बदमाश के पैर में लगी गोली, कांबिंग में 2 पकड़े

पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें बदमाश कुणाल के पैर में गोली लगी। वह गिर पड़ा। इस बीच मनोज और हिमांशु भाग गए। पुलिस ने एरिया घेरकर तलाशी ली, तो वो दोनों भी पकड़े गए। पुलिस ने स्विफ्ट डिजायर गाड़ी और तमंचा बरामद किया है।

पुलिस ने बताया, हिमांशु ने कुणाल (मृतक) के पिता से ढाई लाख रुपए लिए थे। कुणाल, हिमांशु से पैसे वापस मांगता था। लेकिन हिमांशु उसे पैसे वापस नहीं देना चाहता था। हिमांशु ने ये बात मनोज को बताई। फिर दोनों ने मिलकर कुणाल की हत्या का प्लान बनाया।

क्राइम वेब सीरीज 'हिट' देखी

दोनों ने नेटफ्लिक्स पर एक क्राइम वेब सीरीज 'हिट' देखी। इसमें देखा कि हत्या के बाद सबूत कैसे मिटाने हैं? करीब एक महीने तक प्लान तैयार किया। इसमें हिमांशु ने अपने दोस्त कुणाल और उसकी गर्लफ्रेंड तन्वी को शामिल किया।

हाथ और मुंह पर लगाए थे टेप

इन लोगों ने 1 मई को कुणाल का अपहरण किया। इसके बाद कुणाल को कार से जेपी विश टाउन सोसाइटी के सेक्टर- 127 के फ्लैट पर ले गए। वहां कुणाल के हाथ और मुंह को टेप से बांध दिया। फिर हिमांशु ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद कुणाल के शव को एक ट्रॉली बैग में रखा। शव लेकर बुलंदशहर गए और एक नहर में फेंक दिया। इसके बाद चारों आरोपी आस-पास के जिले में गाड़ी नंबर बदलकर और उस पर नए-नए स्टिकर लगाकर घूमते रहे।

कार से कुचलकर महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में हैबतपुर स्थित राधा कृष्ण मंदिर के सामने तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने पैदल जा रही महिला को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर मौके से भाग गया। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।बिसरख कोतवाली क्षेत्र के तिगरी गांव स्थित शांति विहार कॉलोनी में प्रवीण कुमार परिवार के साथ रहते हैं। प्रवीण कुमार ने पुलिस को बताया कि बुधवार की शाम उनकी पत्नी सुनीता किसी काम से पैदल एग्जॉटिका सोसाइटी की तरफ जा रही थी। हैबतपुर स्थित राधा कृष्ण मंदिर के सामने तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार के चालक ने पीछे से सुनीता को टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर भाग गया। आसपास मौजूद लोगों ने उनकी पत्नी को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शार्ट न्यूज

पैसा नहीं मिलने पर सोसाइटी से सुरक्षा गार्ड हटाए

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की फ्रेंच अपार्टमेंट सोसाइटी के कई टावरों में सुरक्षा गार्डों की तैनाती न होने की वजह से निवासी परेशान हैं। बिल्डर प्रबंधन की ओर से पैसे नही दिए जाने से सुरक्षा एजेंसी ने अपने गार्डों की संख्या कम कर दी है। ऐसे में पांच से अधिक टावर में कोई गार्ड ड्यूटी पर नहीं है। अब लोगों को सुरक्षा का डर सता रहा है। सोसाइटी में अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के सचिव आशुतोष सिंह ने बताया कि परिसर में करीब 12 टावर हैं, जिसमें 1078 फ्लैट बने हुए हैं। वर्तमान में 800 से अधिक परिवार रह रहे हैं। सोसाइटी में एओए बना हुआ है। लेकिन बिल्डर प्रबंधन की मनमानी जारी है। आरोप है कि सोसाइटी में सुरक्षा की जिम्मेदारी एजेंसी को दे रखी है। एजेंसी का पैसे प्रबंधन के नहीं देने की वजह से सुरक्षा गार्डों की संख्या में कमी कर दी गई है। बृहस्पतिवार को पांच से अधिक टावर की लाबी में गार्ड नहीं होने से बाहरी लोग बिना किसी रोकटोक के आ जा रहे हैं।

8वीं मंजिल से कूदकर बच्ची ने दी जान

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद में 10 साल की बच्ची ने आठवीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। कहा जा रहा है कि बच्ची ने पेड़ से आम तोड़ लिया था। पेड़ मालिक शिकायत करने उसके घर पर पहुंच गया। जिसके बाद पिता ने उसको डांट दिया और फिर उसने ये खौफनाक कदम उठाया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, ये घटनाक्रम गुरुवार दोपहर का है। वेव सिटी थाना क्षेत्र में एलआईजी बिल्डिंग सेक्टर-5 में रंजीत का परिवार किराए पर रहता है। रंजीत पेंटर का काम करते हैं। रंजीत के घर के पास ही सोसाइटी में आम का एक पेड़ लगा हुआ है। रंजीत की 10 वर्षीय पुत्री वासु गुरुवार दोपहर को इस पेड़ से कुछ आम तोड़ लाई। पेड़ मालिक इसकी शिकायत करने के लिए वासु के घर पहुंचा। जिसके बाद रंजीत ने बेटी को डांट दिया और आइंदा ऐसा नहीं करने को कहा। ये डांट वासु को इतनी नागवार गुजरी कि वो बिल्डिंग की 8वीं मंजिल से कूद गई। बच्ची के नीचे गिरने की आवाज सुनते ही लोग घटनास्थल पर दौड़े। उसको तुरंत नजदीक के इंडो-जर्मन अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान देर शाम उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया, शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

दरोगा पर युवक का सिर फोड़ने का आरोप

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना विजयनगर में एक परिवार ने आरोप लगाया है कि उनका बेटा जब खाना खाकर टहलने बाहर निकाला तो श्री व्हीलर में झगड़ा हो रहा था। इसी दौरान उसने बीच बचाव की कोशिश की तो दरोगा ने उसके सिर पर डंडा मार दिया। जिससे उसका सिर फट गया। इस बारे में पुलिस अधिकारियों का कहना है की झगड़े की सूचना पर पुलिस पहुंची थी और झगड़ा निपटाने के लिए श्री व्हीलर पर डंडा मारा गया था जो स्लिप करके युवक के सिर पर लग गया। गाजियाबाद के थाना विजयनगर के प्रताप विहार में रहने वाली अफसाना ने आरोप लगाया है कि उनका बेटा दानिश बुधवार रात जब खाना खाकर टहलने के लिए निकला तो वहीं पास में श्री व्हीलर में सवारी में झगड़ा हो रहा था। उसने जब झगड़ा सुलझाने का प्रयास किया पुलिस जीप में बैठे दरोगा ने उसके सिर पर डंडा मार दिया जिससे उसका सिर फट गया। अफसाना का आरोप है जिसके बाद उसके बेटे को पुलिस ने अपनी गाड़ी में बिठा लिया उसका फोन बंद कर लिया और काफी तलाश में के बाद वह मिला। इसको लेकर परिवार ने पुलिस की जीप के आगे हंगामा भी किया।

सफाई कर्मचारियों ने पालिका परिषद कार्यालय में किया हंगामा

मोदीनगर। मोदीनगर के मुरादनगर की राधेश्याम विहार कॉलोनी फेस वन में नगर पालिका परिषद के सफाई कर्मचारी के साथ अभद्रता करने का मामला सामने आया है। इससे नाराज होकर सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर में जमकर हंगामा किया। कार्रवाई ना होने पर सफाई व्यवस्था ठप करने की चेतावनी दी है। नगर पालिका परिषद मुरादनगर स्थित राधेश्याम विहार कॉलोनी में गुरुवार को सफाई कर्मचारी सफाई करने के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि एक सफाई कर्मचारी झाड़ू लगा रहा था और अन्य कर्मचारी कूड़ा उठाकर ट्रैक्टर में डाल रहे थे। आरोप है कि कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने सफाई कर्मचारी से रोजाना सफाई करने के लिए कहा। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि उक्त व्यक्ति ने सफाई कर्मचारी के साथ अभद्रता करनी शुरू कर दी। इस बात से नाराज सफाई कर्मचारियों ने सफाई कार्य बंद करके नगर पालिका परिषद पहुंच गए और सफाई निरीक्षक व अधिशासी अधिकारी को पूरे मामले की जानकारी दी। सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका परिषद कार्यालय परिसर में जमकर हंगामा कर कार्रवाई की मांग की।

चार आरोपियों की संपत्ति कुर्क होगी

नोएडा। पंद्रह हजार करोड़ से अधिक के जीएसटी फर्जीवाड़े में शामिल चार और आरोपियों की संपत्ति को कुर्क करने की तैयारी शुरू हो गई है। पुलिस ने गुरुवार को चारों के घर जाकर धारा-82 की कार्रवाई की। अब कुछ दिन में संपत्ति को कुर्क कर लिया जाएगा। इन आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी किया गया, लेकिन अब तक इनका पता नहीं चला पाया।सेक्टर-20 थाना पुलिस की टीम ने तीन हजार से अधिक फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर 15 हजार करोड़ से अधिक की ठगी के मामले में ग्रेटर नोएडा निवासी मयूर उर्फ मनी नागपाल, चारू नागपाल, वजीराबाद दिल्ली निवासी पुनीत और रोहिणी दिल्ली निवासी संजय गर्ग की संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई आरंभ कर दी। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी का कहना है कि इन आरोपियों ने 63 करोड़ रुपये से अधिक का फ्रॉड किया। उनके खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी है। जून 2023 में नोएडा पुलिस ने 15 हजार करोड़ से अधिक के जीएसटी फ्रॉड का खुलासा किया था। इसमें अब तक 41 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन चारों के साथी तीन आरोपियों को पुलिस ने कुछ दिन पहले ही गिरफ्तार किया था।

मारपीट करने के मामले में आठ पर केस दर्ज

दनकौर। राजपुर कला गांव में पड़ोस के ही लोगों ने एक व्यक्ति को पीटकर अधमरा कर दिया। घटना में पीड़ित की टांग की हड्डी और पसली टूट गई। घटना के बाद पीड़ित के भाई ने आठ लोगों को नामजद कर केस दर्ज कराया है।कासना कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर गांव के रहने वाले जगवीर सिंह का कहना है कि वह अपने परिवार के साथ कुछ समय से दनकौर क्षेत्र के राजपुर कला गांव में रह रहे हैं। गांव के ही प्रमेंद्र, नरेंद्र और मोनू में सोमवार को जमीनी विवाद के चलते झगड़ा चल रहा था। आरोप है कि उनके द्वारा बीचबचाव करने पर नरेंद्र और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर दिल्ली डीआरडीओ में तैनात शिकायतकर्ता के भाई देवेंद्र के साथ मारपीट कर दी। सभी लोगों ने लाठी डंडे और लोहे की राड से बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। आरोप है कि घटना में उनके भाई देवेंद्र की टांग की हड्डी और पसली भी टूट गई। घटना के बाद घायल को ग्रेटर नोएडा के एक एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शिकायत के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। वहीं, शिकायत के आधार पर आरोपी नरेंद्र, मोनू, सौरभ, सोनू, कृष्ण, जागे, प्रीत और कर्मवीर के खिलाफ गुरुवार को केस दर्ज किया।

काजल झा की एक और दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय ने गुरुवार को स्क्रैप माफिया रवि काना की महिला मित्र काजल झा की एक और दिन की रिमांड मंजूर कर ली। पुलिस द्वारा पूर्व में भी काजल को एक दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा चुकी है। पुलिस की टीम शुक्रवार की दोपहर 12: 00 बजे लुक्सर जेल से आरोपी काजल झा को लेकर आएगी। पुलिस द्वारा काजल झा से स्क्रैप माफिया रवि के काले कारोबार के बारे में पूछताछ की जाएगी। नॉलेज पार्क थाना पुलिस और स्वाट टीम ने 26 अप्रैल की दोपहर स्क्रैप माफिया रवि काना और उसकी महिला मित्र काजल झा को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया था। पुलिस ने स्क्रैप और काले कारोबार के बारे में पूछताछ के लिए दोनों की अदालत से पुलिस कस्टडी रिमांड मांगी थी। अदालत ने माफिया रवि की पांच दिन की रिमांड मंजूर की थी। इसके बाद आरोपी काजल झा की एक दिन की रिमांड मंजूर की गई थी। एक दिन के रिमांड में पुलिस सही से काजल से पूछताछ नहीं कर पाई।

एलिवेटड के चौथे फेज का काम आज से शुरू होगा

नोएडा ट्रैफिक विभाग ने जारी किया डायवर्जन

नोएडा। सेक्टर-60 से सेक्टर-18 तक एलिवेटिड मार्ग पर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा रि-सरफेसिंग (मरम्मत) का कार्य किया जा रहा है। इसके चौथे फेज का काम 10 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। इसमें एलिवेटिड मार्ग पर सेक्टर-31/25 से सेक्टर-18 तक रि-सरफेसिंग का कार्य किया जाना है। इसके चलते एलिवेटिड मार्ग पर सेक्टर-31/25 से सेक्टर-18 तक यातायात प्रतिबंधित रहेगा। सेक्टर-60 अंडर पास से सेक्टर-33 इस्कॉन मंदिर तक एलिवेटिड मार्ग पर दिन के समय यातायात का संचालित रहेगा। असुविधा होने पर हैल्प लाइन नंबर 9971009001 पर सम्पर्क कर सकते है। वहीं रि-सरफेसिंग कार्य होने के कारण सेक्टर-31/25 एलिवेटिड मार्ग से सेक्टर-18 होते हुए डीएनडी,चिल्ला,नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे,परी चौक की ओर जाने वाले यातायात का डायवर्जन किया जाएगा। आमजन असुविधा से बचने के लिए ऑप्शनल मार्ग का प्रयोग कर सकते है।

इन रास्तों का करे प्रयोग

सेक्टर-33 इस्कॉन मन्दिर से सेक्टर-31/25 चौक होकर सेक्टर-18, नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-35 मोरना होकर एमपी-3 मार्ग से अपने गंतव्य को जा सकेगा।

सेक्टर-33 इस्कॉन मन्दिर से सेक्टर-31/25 चौक होकर सेक्टर-18, चिल्ला/डीएनडी की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-31/25 चौक से पूर्व यू-टर्न कर एडोब चौक से स्टेडियम चौक होकर एमपी-1 मार्ग से अपने गंतव्य को जा सकेगा।

यीडा में घर बैठे पास होगा मकान का नक्शा

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण (यीडा) ने अपनी सेवाओं का लाभ देने के लिए पहल शुरू कर दी है। अब आवासीय भूखंडों पर बनाए जाने वाले मकान का नक्शा पास कराने के लिए आवंटियों को कार्यालय के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बृहस्पतिवार से यह प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी होगी। यदि 15 दिन में अधिकारियों के नक्शा पास नहीं करने पर उसे स्वत: पास मान लिया जाएगा। साथ ही नक्शा पास नहीं करने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। बुधवार को यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने इस सुविधा का शुभारंभ किया। बृहस्पतिवार से इसके आवेदन किए जा सकेंगे। सीईओ के मुताबिक आवासीय भूखंड के आवंटियों को आईडी और पासवर्ड भेजे जा रहे हैं। जिसकी मदद से आवंटी नक्शा पास करा सकेंगे। भेजी गई आईडी पर देश के किसी भी शहर से रजिस्टर्ड आर्किटेक्ट नक्शे को अपलोड करेंगे।

पुलिस कस्टडी में हुई मौत की होगी मजिस्ट्रीयल जांच

19 मार्च को पुलिस ने किया था गिरफ्तार; 20 मई तक दर्ज करा सकते हैं बयान

नोएडा। करीब एक महीने पहले कोतवाली सेक्टर-39 के हवालात में बंद पेंटर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी । मूलरुप से अररिया बिहार निवासी तनवीर (35) को पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। मामले में परिजनों ने पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाया था। अब इस मामले की मजिस्ट्रीयल जांच होगी। हालांकि पुलिस ने हार्ट अटैक से मौत की बात कही है।

तनवीर परिवार के साथ छलेरा गांव में किराये पर रहता था। 19 मार्च को कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस तनवीर को शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर थाने के हवालात में डाल दिया था। 20 मार्च की सुबह करीब 4: 20 बजे हवालात में पेट दर्द की शिकायत होने के कारण जिला अस्पताल सेक्टर 39 नोएडा ले जाया गया।

वहां से रेफर होकर हायर सेंटर सफदर जंग अस्पताल दिल्ली में ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक उसे हार्ट अटैक आया था। परिजनों ने आरोप लगाया था कि तनवीर शराब तस्करी में शामिल नहीं था। 19 मार्च की रात को वह छलेरा में घर के बाहर घूम रहा था। आरोप है कि तभी पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर हवालात में डाल दिया।

इससे पहले वह कभी भी जेल नहीं गया। परिजनों के मुताबिक गिरफ्तारी के बाद पिटाई में तनवीर को अंदरुनी चोट लगी थी। हवालात में किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। आरोप है कि उसने पुलिस से मदद भी मांगी थी लेकिन किसी ने सहायता नहीं की।

अब इस घटना की जांच उप जिला मजिस्ट्रेट दादरी द्वारा की जाएगी। इसके लिए उन्होंने सर्व साधारण का आह्वान किया है कि यदि उक्त घटना के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई जानकारी हो अथवा कोई व्यक्ति अपना मौखिक व लिखित साक्ष्य बयान देना चाहता है तो वह 20 मई 2024 तक कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में उपस्थित होकर बयान दे सकता है।

पुलिस सर्विलांस पर होगा ग्रेटर नोएडा

356 जगहों पर लगाए जाएंगे 2300 कैमरे; फेस डिडक्शन के साथ पोल पर होगी पैनिक बटन

नोएडा। नोएडा के बाद अब ग्रेटर नोएडा शहर को सर्विलांस पर होगा। इसके लिए शहर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया जाएगा। यहां 356 स्थानों पर 2300 कैमरे लगाए जाएंगे। पुलिस ने इन स्थानों की सूची ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण को दी है।

आचार संहिता समाप्त होते ही कंपनी का चयन करके कैमरे लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। बता दे नोएडा में आईएसटीएमएस योजना के तहत पहले से ही 1046 कैमरे लगे है। जिनकी निगरानी कमांड कंट्रोल रूम सेक्टर-94 से होती है।

जिन स्थानों की सूची पुलिस विभाग की ओर से दी गई है उसमे बाजार, सरकारी व निजी स्कूलों व ब्लैक स्पाट और भीड़ भाड़ वाले इलाके मेट्रो स्टेशन, बस स्टैंड, मॉल्स के बाहर, शिक्षण स्थान शामिल है। सेफ सिटी परियोजना के तहत

गौतमबुद्ध नगर को जो हिस्सों में बांटा गया है। पहला नोएडा और दूसरा ग्रेटरनोएडा। यानी सीसीटीवी कैमरों का पूरा इन्फ्रास्ट्रक्चर दोनों प्राधिकरण (नोएडा प्राधिकरण और ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण) बनाएंगे। और इसका संचालन पुलिस विभाग की ओर से किया जाएगा।

बदमाशों को पकड़ना होगा आसान (फेस डिडक्शन कैमरे)

योजना के तहत फेस डिडक्शन कैमरे लगाए जाएंगे। बदमाशों का डेटा पुलिस के पास पहले से रहेगा। ऐसे में कोई भी बदमाश यदि इन कैमरों की जद में आता है तो उसकी लाइव लोकेशन और पूरा डेटा कंट्रोल रूम में दिखाई देगा। जिससे उसे आसानी से पकड़ा जा सकेगा। कंपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद इसकी पूरी ट्रेनिंग पुलिस को देगी। इसके अलावा ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (एएनपीआर) कैमरे, फिक्स्ड कैमरे, पैंटेल्ड जूम (पीटीजेड) कैमरे व स्पीड डिडक्शन कैमरा है। इन सभी को कंट्रोल रूम से आपरेट किया जाएगा।

अपराध को किया जा सकेगा नियंत्रित

सर्विलांस पर आने के बाद शहर में अपराध पर लगाम कसी जा सकेगी। कैमरों के 24 घंटे मॉनिटरिंग होगी। यहां होने वाली लूट, छिनैती जैसी घटनाओं पर इसका असर देखने को मिलेगा। इसकी बड़ी वजह सीसीटीवी में फुटेज का आना होगा। इसके अलावा फेस डिडक्शन से ये साफ हो जाएगा कि अपराध करने वाला नया है या कोई पुराना अपराधी जो जमानत पर बाहर आया है।

नोएडा के आईएसटीएमएस की तरह होगा काम

ग्रेनो प्राधिकरण की यह योजना नोएडा के इंटीग्रेटेड सीक्यूरिटी ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की तरह ही काम करेगी। बतौर इसके लिए एक कमांड कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। ये कंट्रोल रूम ग्रेटरनोएडा पुलिस कंट्रोल करेगी। इसके अलावा यहां पोल के नीचे पैनिक बटन भी लगाए जाएंगे। ताकि जरूरत पड़ने पर कोई भी व्यक्ति तत्काल मदद मांग सके।

नोएडा पुलिस ने बदमाश के पैर में मारी गोली

लूट, स्नैचिंग, चोरी के 15 से ज्यादा दर्ज हैं मुकदमे

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-62 में पुलिस ने एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। नोएडा पुलिस रात के समय गश्त कर रही थी। तभी बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस को देखकर रुकने की बजाय भागने की कोशिश की। बदमाशों ने खुद को चारों ओर से घिरा देखकर पुलिस पर फायर करना शुरू कर दिया। इधर से पुलिस ने भी जवाबी कार्यवाही की। इस दौरान बदमाश के पैर में गोरी लगी और वो बाइक से गिर गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि बदमाश की पहचान खोंड़ा कॉलोनी निवासी सुभाष नेगी के रूप में हुई है। घायल हुए बदमाश को उसे नोएडा के जिला अस्पताल लाया गया। पूछताछ में पता चला कि बदमाश किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में

था। इस पर 15 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। इसके पास से एक अवैध तमंचा 1 जिन्दा और 1 खोखा कारतूस बरामद किया गया। बदमाश जिस बाइक से घटना को अंजाम देता था वो चोरी की निकली। बदमाश एक किस्म का अपराधी है। ये पहले भी थाना सेक्टर-58, सेक्टर-24, नोएडा, सूरजपुर, खोंड़ा जनपद गाजियाबाद से लूट चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। जमानत पर बाहर आया था। इसने दोबारा से लूट, छिनैती की घटना को अंजाम देना शुरू कर दिया। पुलिस इसका आपराधिक रिकार्ड खंगाल रही है।

अपर मुख्य सचिव ने एयरपोर्ट का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा। नोएडा हवाई अड्डे से उड़ान का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे ही अधिकारियों ने एयरपोर्ट की गतिविधियों पर निगाह रखनी शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को एयरपोर्ट के कार्य की प्रगति जानने के लिए अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल जेवर पहुंचे। वहां पर रनवे समेत रडार और अन्य उपकरणों की जानकारी ली और अधीनस्थों को दिशा निर्देश भी दिए। दरअसल, नोएडा एयरपोर्ट से सितंबर में उड़ान प्रस्तावित है और यहां पर करीब 80 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। जो 20 फीसदी कार्य है उसमें फिनीशिंग समेत उपकरण स्थापित करने और ट्रायल समेत अन्य कार्य शामिल हैं। इन सभी कार्यों को अगले माह तक पूरा करने की तैयारी है। एसपी गोयल ने रनवे से संबंधित जानकारी ली। इसके अलावा रडार, गलाइड पाथ एंटीना समेत अन्य तकनीकी उपकरण लगाने का काम भी तेजी से चल रहा है। टर्मिनल बिल्डिंग और एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर का ढांचागत काम तो पूरा हो गया है, लेकिन उनमें जो उपकरण स्थापित किए जाने हैं और व्यवस्थाएं हैं उनका भी बचा हुआ काम ऑटोमेटिक डेपेंडेंट सर्विलांस ब्रॉडकास्ट (एडीएस-बी), एडवांस सरफेस मूवमेंट गाइडेंट्स एंड कंट्रोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस), ऑटोमेशन सिस्टम और सरफेस मूवमेंट रडार (एसएमआर) का काम 30 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, हरहाल में तय समय पर काम पूरा कर लिया जाए। इस दौरे में उनके साथ यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ.अरुणवीर सिंह, एसीईओ श्रुति, एसीईओ कपिल कुमार, एसीईओ विपिन जैन और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया के अलावा निर्माणकर्ता कंपनी ज्यूरिख की ओर से अधिकारी मौजूद रहे।

200 रजिस्ट्री के लिए बिल्डर लगाएंगे कैंप

20 बिल्डरों ने जमा कराया 170 करोड़, अब तक हुई 530 रजिस्ट्री

एजेंसी

नोएडा। अमिताभ कांत की सिफारिश लागू होने के बाद प्राधिकरण का ध्यान सिर्फ बायर्स की रजिस्ट्री कराने को लेकर है।

इसके लिए गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में बिल्डर और क्रेडाई के अधिकारियों के साथ सीईओ लोकेश एम ने बैठक की। बैठक में बिल्डरवार बायर्स के पक्ष में किये जाने वाली रजिस्ट्री की समीक्षा की गई। बैठक में बिल्डर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही 200 रजिस्ट्री के लिए कैंप लगाया जाएगा।

समीक्षा में सामने आया कि अब तक 57 बिल्डरों में से 20 बिल्डरों द्वारा 25 प्रतिशत धनराशि रुपए 170.77 करोड़ जमा करा दी गयी है। इन 20 बिल्डरों से भविष्य में नोएडा प्राधिकरण को लगभग रुपए 450 करोड़ की प्राप्ति

होगी। 4 बिल्डरों द्वारा कुल 25 प्रतिशत धनराशि 83.47 करोड़ में आंशिक धनराशि 53.68 करोड़ जमा कराई गयी है। इस प्रकार प्राधिकरण को 9 मई तक कुल 224.45 करोड़ रुपए मिले।

18 ऐसे बिल्डर है जिन्होंने 25 प्रतिशत धनराशि जमा कराने के लिए सहमति दी है। 18 बिल्डरों में से ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या जीएच-4/बी, सेक्टर-78, कलरफुल एस्टेट प्रालि, भूखंड संख्या जीएच-5/बी, सेक्टर-78 सन साइन इन्फ्रावेल प्रालि, सेक्टर-168 सनवर्ड रैजीडेंस प्रालि, सेक्टर-76 स्काईटेक कंस्ट्रक्शन प्रालि, प्रतीक बिल्डटेक इंडिया प्रालि अपने सभी परियोजनाओं के तहत 25 प्रतिशत धनराशि शीघ्र जमा कराने का आश्वासन दिया है।

20 बिल्डरों द्वारा कुल 1604 रजिस्ट्री कराई जानी है।

इसी क्रम में प्राधिकरण ने 01 मार्च, 29 अप्रैल और 08 मई को अलग अलग स्थानों पर कैंप लगाकर 530 रजिस्ट्री कराई जा चुकी हैं। बैठक में बिल्डर लॉबी से अमित जैन, दिनेश गोयल, राजीव शर्मा ने आगामी सप्ताह में लगभग 200 रजिस्ट्री विशेष कैंप का आयोजन करते हुए करायें जाने का आश्वासन दिया।

बैठक में क्रेडाई की ओर से गीताम्बर आनन्द (संरक्षक), अमित जैन (अध्यक्ष), दिनेश कुमार गुप्ता (सचिव) व अन्य बिल्डर एवं प्राधिकरण की ओर से मौजूद रहे। श्री अशोक कुमार वर्मा, उप प्रबन्धक आदि उपस्थित थे।

तीन चरणों में भाजपा की निकली हवा : अखिलेश

▶ भाजपा ने डबल इंजन की सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया, लेकिन किसानों की कमाई को बिचौलियों के हाथ में सौंप दिया

बहराइच। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरण के मतदान में जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हार की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया है और अगले दो चरणों में भाजपा की हार सुनिश्चित कर दी जायेगी।

बहराइच शहर के गेंद घर मैदान में यादव ने बृहस्पतिवार को दोपहर बाद सपा प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुये कहा कि जनता ने पहले, दूसरे और तीसरे चरण के मतदान में भाजपा को काफी पीछे कर दिया है। चौथे और पांचवें चरण के मतदान में आप लोग मतदान कर इनके मंसूबों को रोकने का काम करें।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा पूर्व ब्रह्मांड की सबसे बड़ी झूठी पार्टी है। वह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दावा करती है लेकिन विकास के नाम पर काफी पीछे है।

भाजपा ने डबल इंजन की सरकार में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया, लेकिन किसानों की कमाई को बिचौलियों के हाथ में सौंप दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने 4 साल के लिए अग्नि वीर योजना शुरुआत की है, इससे युवाओं में नाराजगी है। गठबंधन की सरकार बनी तो तीस लाख सरकारी नौकरी देने के साथ ही अग्निवीर योजना को खत्म करेंगे। 60 लाख नौजवानो की नौकरी छूट गई। परीक्षा लीक होने की वजह से इनका भविष्य अंधकार में चला गया। भाजपा सरकार आई तो पुलिस की नौकरी भी तीन साल की कर देगी।

श्री यादव ने कहा कि आज सब कुछ बिक रहा है। ट्रेन बिक गई, हवाई अड्डे बिक गए इनकी सरकार रही तो सभी नौकरियां प्राइवेट हो जायेगी। ये सरकार संविधान को बदलना चाहती हैं, लेकिन हम लोग इन्हें ही हटा देंगे। पहले, द्वितीय और तृतीय चरण के चुनाव में जनता ने भाजपा के झूठ की हवा निकालते हुए उनके मंसूबों को पर पानी फेर दिया है।

अब डबल इंजन की सरकार में विकास का कोई जिक्र नहीं किया जा रहा सिर्फ हिंदू और मुस्लिम में लड़ाया जा रहा है। इस दौरान सभी प्रत्याशी और काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अयोध्या के रामसेवकपुरम में लगी आग

अयोध्या। अयोध्या के रामसेवकपुरम में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। आग लगने से भगदड़ मच गई। 6 से ज्यादा कॉटेज पूरी तरह जल गए। आसपास के लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन कॉटेज होने के चलते आग तेज हो गई। तुरंत दमकल को सूचना दी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के आग पर काबू पाया जा सका। रामसेवकपुरम में ही भगवान राम की 3 मूर्तियां बनाई गई थी। इनमें से एक की राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। जबकि दो मूर्तियां अभी यहीं रखी हैं। दोनों मूर्तियां सुरक्षित हैं। राम मंदिर से रामसेवकपुरम की दूरी करीब 2 किमी है। यहां इस वक्त बहुमंजिला इमारत का निर्माण किया जा रहा है। करीब 60-70 लोग यहां कॉटेज में रहते हैं। दमकल अफसरों के मुताबिक, आग करीब 2.30 बजे लगी। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट वजह बताई जा रही है। आग से रामसेवकपुरम में लाखों का नुकसान हुआ है। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने बताया- धुआं उठते ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। लेकिन फायर प्रशासन ने घटना को गंभीरता से नहीं लिया। फायर ब्रिगेड की छोटी गाड़ी भेज दी।

वंदेभारत एक्सप्रेस के एक डिब्बे में धुएं से हड़कंप

इटावा। दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर स्थित इटावा जिले के इकदिल रेलवे स्टेशन के निकट बनारस से नई दिल्ली जा रही सेमी हाईस्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस के एक कोच से धुआं उठने ये हड़कंप मच गया। आनन फानन में रेलवे के अधिकारियों ने रेलवे पावर सप्लाई (ओईची) को बंद कराके वंदे भारत एक्सप्रेस को रोका गया।

इटावा रेलवे स्टेशन अधीक्षक पूरनमल मीणा ने आज यहां बताया कि आज पूर्वाहन करीब 11 बजकर 3 मिनट पर सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस इकदिल रेलवे स्टेशन से इटावा की ओर रवाना हुई तो रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी के चालक ने एक कोच से धुआं निकलते हुए देखा । मालगाड़ी के चालक ने वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच से धुआं निकलते हुए देखे जाने के बाद तुरंत रेलवे कंट्रोल रूम को इस बात की जानकारी दी जिसके बाद रेलवे पावर सप्लाई (ओईची)को बंद किया गया। रेलवे पावर सप्लाई को बंद किए जाने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस 11 बजकर 22 मिनट पर इटावा के पास सुंदरपुर रेलवे फाटक के पास रुक गई। वंदे भारत एक्सप्रेस के रुकने के बाद मौके पर रेलवे की टीएसआर टीम रेलवे अधिकारियों के साथ पहुंची ।टीआरएस टीम के एसएससी विपिन कुमार ने अपनी टीम के साथ कोच की जांच गहनता से की।

धुआं निकलने वाले कोच नंबर 14 की गहन जांच की गई लेकिन आग जैसी कोई घटना ना होने के बाद वंदे भारत एक्सप्रेस को इटावा रेलवे स्टेशन पर लेकर आया गया और फिर से नए सिरे से गहन जांच रेलवे के अधिकारियों के ओर से की गई लेकिन पहले की तरह ही आग लगने का कोई भी वाक्या सामने न आने के बाद क्लीयरेंस देकर के वंदे भारत एक्सप्रेस को नई दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया।

शार्ट न्यूज

पाक्सो व एससीएसटी एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

हरिनारायण यादव व्यूरो विशाल इंडिया

गाजीपुर। बहरियाबाद थाना पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट व एससीएसटी एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी कोगिरफ्तार करने में सफल रही है। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को समय करीब 00.15 बजे रात्रि में पुलिस टीम द्वारा, न्यायालय विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट गाजीपुर द्वारा निर्गत वारण्ट के वारण्टी मुलायम यादव पुत्र रमेश यादव निवासी ग्राम बनकटा थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर को उसके घर से मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद मय टीम थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

बाल विवाह होने पर दो वर्ष की सजा

ललितपुर। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति के साथ ही कानूनी रूप से दंडनीय अपराध होने के बावजूद समाज के कुछ लोगों द्वारा लड़के और लड़की का विवाह निर्धारित आयु क्रमश=21 वर्ष एवं 18 वर्ष के पूर्व ही कर दिया जाता है। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत बाल विवाह करना/कराना कानूनी अपराध है। वह लड़की जिसने 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं की हो एवं लड़का जिसने 21 वर्ष की आयु पूरी नहीं की हो, वे शादी करते है एवं उनकी कोई शादी करवाता है। उक्त कृत्य बाल विवाह अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी में आता है। जिसके अन्तर्गत 02 साल तक का कठोर कारावास/01 लाख रू0 का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। इस प्रकार की कुप्रथा एक सामाजिक बुराई है। ऐसी कुरीतियों का प्रचलन पिछड़े इलाकों में अधिक प्रचलित है। आगामी 10 मई 2024 को (अक्षय तृतीय/आख तीज) के पर्व में सामूहिक विवाह व एकल विवाह होने की सम्भावना अधिक है।

वारण्टी अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

ललितपुर। सौजना पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना सौजना पुलिस द्वारा एक वारण्टी अभियुक्त अमोली पुत्र पुनु बुनकर निवासी ग्राम अगौड़ी थाना सौजना सम्बन्धित मु0नं0 818/18 धारा 60 आबकारी अधिनियम को गिरफ्तार किया गया। वारण्टी अभियुक्त को नियमानुसार हिरासत पुलिस में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाले टीम उ0नि0 ललित किशोर चतुर्वेदी हे0कां0 नीरज कुमार म0कां0 चंचल शर्मा आदि शामिल रही।

पुलिस ने दो वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

ललितपुर। जाखलौन, लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में थाना जाखलौन पुलिस द्वारा दो वारण्टी अभियुक्त रवि पुत्र इमरत उम्र करीब 25 वर्ष इमरत उर्फ भूरा पुत्र बन्टू कुशवाहा उम्र करीब 50 वर्ष नि0गण ग्राम दावनी थाना जाखलौन सम्बन्धित केस नं0 42/18 धारा 395/397 भादवि न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश ललितपुर को गिरफ्तार किया गया। वारण्टी अभियुक्तगण को नियमानुसार हिरासत पुलिस में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाले टीम उ0नि0 अय्यूब खान कां0 राहुल सक्सेना कां0 विकास सिंह म0कां0 पूजा आदि शामिल रही।

आगजनी में दो घर जल कर खाक

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। जिले के विकास खण्ड मिश्रिख की ग्राम पंचायत मुड़ियारा के मजरा नौआ खेड़ा में अचानक आग लगने से दो घर जलकर खाक हो गए है। आपको बता दें कि ग्राम नौआखेड़ा में रहने वाले उशमान और इमरान पेशे से कला बाज है।आग लगने से उनकी चार बकरी दो कुंटल गेहूं समेत पूरा घर जलकर खाक हो गया है । घर के अंदर रखी खाद्यान्न सामग्री भी जल कर खाक हो गई है। वहीं जानकारी पाकर मिश्रिख मण्डल अध्यक्ष महिला मोर्चा शन्नो देवी लोक सभा प्रभारी सीमा पहुंची और पीड़ितो को सरकार द्वारा हर संभव मदद का आश्वासन दिया।वही यहां के प्रधान प्रतिनिधि राजन मिश्र ने बताया है । कि लेखपाल से सर्वे करा दिया गया है।सभी को ग्राम पंचायत द्वारा खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। किसी प्रकार की दिक्कत नही होने दी जाएगी।वहीं आज कस्बा मिश्रिख के नहर चौराहा पर स्थित एटीएम में बिजली के कार्ड सर्किट से आग लग गई। जिससे वह अचानक घूं घूं कर जलने लगा।पड़ोस के लोगों ने फायर यूनिट मिश्रिख को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।जिससे काफी नुकसान होने से बच सका।

कमलापुर थाना क्षेत्र में पंजाब पुलिस ने पैदल मार्च लोगों से निर्भीक होकर वोट देने की अपील

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। जिले कमलापुर थाना क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्थानीय पुलिस व पंजाब पुलिस ने पैदल गश्त किया। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही लोगों से निर्भीक होकर मतदान करने की अपील की। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण बली सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए फ्लैग मार्च निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोगों से अपील की गई है कि बिना डरे वोट करें। कोई किसी प्रकार का दबाव बनाता है तो पुलिस से संपर्क करें वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में पंजाब पुलिस के सबइंस्पेक्टर तरसीम सिंह की टीम कमलापुर कस्बा सहित बरई जलालपुर, सरौरा कला, सुल्तानपुर कमैचा, सरवरपुर, पीरपुर, आदि कई गांव में पैदल रोड मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के दौरान पर हलका इंचार्ज रमेश जायसवाल वरिष्ठ उप निरीक्षक अनिल कुमार नरेंद्र द्विवेदी व भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

अलीगढ़ में नाले में मिला महिला का शव

अलीगढ़। अलीगढ़ में लगातार दूसरे दिन महिला का शव मिला है। गुरुवार को रोरावर थाना क्षेत्र में मथुरा बाईपास रोड पर कैंची वाले पुल के नीचे नाले में महिला का शव मिला। शव नाले के गंदे पानी में डूबा हुआ था, जिसके कारण पहले लोगों को इसकी जानकारी नहीं हुई। जब लोगों ने ध्यान से देखा तो नाले में शव था, जिसके बाद लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। शव की जानकारी मिलने पर रोरावर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। गंदे पानी के कारण शव बुरी तरह से सड़ सा गया था और मृतक की पहचान नहीं हो पा रही थी। बस इतना ही पता चल सका है कि शव महिला का है। महिला का शव नाले में पुल के पास आकर रुक गया था। जिसके कारण वह आगे बहकर नहीं गया।

कानपुर में प्राइमरी स्कूल में लटका मिला लड़की का शव

कानपुर। कानपुर में प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार सुबह एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। सुबह बच्चे और टीचर स्कूल पहुंचे तो शव लटकता देख दंग रह गए। सूचना पर चौबेपुर थाने की पुलिस, फोरेंसिक टीम मौके पर जांच करने पहुंची। परिवार के लोगों ने हत्या के बाद शव लटकाने का आरोप लगाया है।

हत्या के बाद शव लटकाने का आरोप

चौबेपुर के जोगिनडेरा के बनसठी में गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय द्वितीय बना हुआ है। स्कूल में गुरुवार सुबह बच्चे और शिक्षक 7 बजे पहुंचे। कोई भी स्कूल के भीतर जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। पेड़ से शव लटका होने की जानकारी मिलते ही गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंच गए।

जानकारी मिलते ही चौबेपुर एसओ, एसीपी बिल्हौर और फोरेंसिक टीम मौके पर जांच करने पहुंची।

फंदे पर पेड़ से लटकी मिली युवती की शिनाख्त गांव के ही मोटानाथ की बेटी प्रिया (20) के रूप में हुई है। परिवार के लोग भी मौके पर पहुंचे और बेटी की हत्या कर शव पेड़ पर टांगने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने स्कूल परिसर को सील करने के साथ ही जांच करने में जुटी है। पुलिस और फोरेंसिक टीम को मौके से कही अहम साक्ष्य मिले हैं।

लखनऊ में पत्नी ने पति का गला काटा

आधी रात कॉल करके प्रेमी को बुलाया; कुल्हाड़ी से कर दी हत्या..गिरफ्तार

मलिहाबाद। लखनऊ के कुशभरी गांव में 35 साल के युवक की बुधवार रात 12 बजे गला रेतकर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह जब परिजन जागे तो देखा कि युवक की गर्दन कटी थी। वह पत्नी के अवैध संबंधों में रोड़ा बन रहा था। इसी वजह से पत्नी रेखा ने अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर हत्या कर दी है। घटना मलिहाबाद थाना इलाके के कसमंडी चौकी क्षेत्र की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रेमी को घर बुलाकर रची साजिश

पत्नी रेखा ने पति को मारने के लिए अपने प्रेमी राजू गौतम को फोन कर घर पर बुलाई। वह अपने दोस्त सोनू पाल के साथ यहां पहुंचा। यहीं तीनों ने मिलकर प्रदीप के हत्या की कहानी रची। फिर कुल्हाड़ी मार दी। सबूत मिटाने के लिए रात लगभग 1 बजे के तीनों घर से बाहर निकले। कुल्हाड़ी को घटना स्थल से पांच सौ मीटर दूर आम के बाग में फेंक दिया।

इसके बाद रेखा का प्रेमी और उसका दोस्त यहां से फरार गए। रेखा घर पहुंची और तेज-तेज रोने लगी। घर वाले आवाज सुनकर जग गए। तब रेखा ने प्रदीप के बड़े भाई राजेश को बताया कि किसी ने प्रदीप की हत्या कर दी है। उसका शव चारपाई पर पड़ा था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। रात 3 बजे पुलिस मौके पर पहुंची। यहां से साक्ष्य जुटाए गए।

गांव का ही है आरोपी

प्रदीप की पत्नी का गांव के ही सोनू पाल के साथ संबंध था। राजू रैदास सोनू का दोस्त है। पुलिस ने पत्नी रेखा समेत सोनू पाल और राजू रैदास को किया गिरफ्तार कर लिया है। घटना से जुड़ी जानकारी के लिए तीनों से पूछताछ की जा रही है।

मेरठ में बिहार की महिला से गैंगरेप

स्नैपचैट पर दोस्ती कर नौकरी दिलाने के बहाने बुलाया, तीन दिन तक बंधक बनाकर किया रेप

मेरठ। मेरठ में एक बिहार की लड़की के साथ गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया गया। आरोप है, पीड़िता को आरोपियों ने तीन दिन तक बंधक बनाकर एक कमरे में रखा। उसके बाद गंदा काम करते रहे। उसके बाद धमका कर छोड़ दिया।

इसके बाद पीड़िता ने एसएसपी ऑफिस पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी दी है। पीड़िता का कहना है, कुछ समय पहले उसकी दोस्ती स्नैपचैट पर मेरठ के एक लड़के से हो गई। लड़के ने नौकरी दिलाने के बहाने उसे मेरठ बुला लिया।

जबरन दिल्ली उठाकर ले आया आरोपी- पीड़िता

मेरठ आने के बाद वो एक जगह रिसेप्शनिस्ट की नौकरी करने लगी। और वहीं पर एक कमरे में रहने लगी। यहां वो युवक उसे नौकरी दिलाने के बहाने घुमाता रहा और फिर एक दिन उसके साथ गलत काम करने की कोशिश की। लेकिन वो किसी तरह से बचकर वहां से दिल्ली भाग गई।

महिला दिल्ली में कहीं नौकरी करने लगी। लेकिन आरोपी अपने दोस्तों के साथ उसके पीछे पड़ा था। कुछ दिन पहले आरोपी कार से पीड़िता को दिल्ली से जबरन उठा लाया और दोस्तों के साथ मिलकर गैंगरेप किया। पीड़िता गुरुवार को एसएसपी ऑफिस पहुंची। जहां उसने शिकायत कर न्याय मांगा है।

पीड़िता ने एसएसपी को दिया एक वीडियो

महिला का कहना है, मेरी दोस्ती स्नैपचैट पर उस युवक से हुई थी। वो मुझे हमेशा नौकरी दिलाने की बात कहता था। लेकिन उसके मन में कुछ और चल रहा था। अब पीड़िता ने तीन लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाते हुए एसएसपी से मामले की शिकायत की है।

पीड़िता ने इस दौरान एसएसपी को एक वीडियो भी सौंपा है। वीडियो में आरोपी युवती को जबरन ले जाते दिखाई दे रहे हैं। मामला संज्ञान में आने पर एसएसपी ने जांच के बाद कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

शिकायत के बाद भी थाना पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की

पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के बाद भी थाना पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की।

जबकि आरोपी उसे जान से मारने और अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दे रहे हैं। मामले में सुनवाई न होने पर वो एसएसपी के पास पहुंची है।

नहर में डूबे युवक का मिला शव

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद की छिछामाई नहर में नहाने के दौरान डूबे युवक का शव दूसरे दिन नहर से बरामद हो गया। वह तीन दोस्तों के साथ नहाने के लिए गया था। तभी चारों दोस्त डूबने लगे थे। इनमें से तीन को गोताखोरों ने निकाल लिया था, जबकि एक गहराई में चला गया था। थाना मटसेना क्षेत्र के विजयपुरा निवासी 30 वर्षीय मोनू पुत्र अमर सिंह फिरोजाबाद जज की निजी गाड़ी चलाता था। बुधवार को वह अपने 3 दोस्तों राजन बाबू निवासी भोगांव मैनपुरी, मनोज कुमार निवासी लोहामंडी खतैना जगदीशपुरा आगरा और राजकमल दिवाकर निवासी आसफाबाद रसूलपुर के साथ शिकोहाबाद की छिछामाई नहर में नहाने के लिए गया था। जहां चारों नहाते समय गहराई में चले गए और डूबने लगे थे। उनके शोर मचाने पर गोताखोरों ने तीन लोग राजन, मनोज और राजमकल को बचा लिया था, जबकि मोनू गहराई में चला गया। जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी।

मथुरा में नगर निगम पार्षद पर लाठी-डंडे से हमला

गंभीर रूप से घायल हुए पार्षद पंकज अरोड़ा

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में लाइट सही कराने को लेकर स्थानीय निवासी और पार्षद में झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान एक पक्ष ने लाठी-डंडे से पार्षद पर हमला कर दिया।

बचाव करने आए पार्षद के दोनों बेटों पर भी नामजद आरोपियों ने हमला कर दिया। हमले में पार्षद सहित उनके दोनों बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

लाइट सही कराने के दौरान हुआ विवाद

बुधवार की देर रात वृंदावन के गोपीनाथ बाजार इलाके में लाइट खराब हो गई। इसके लिए बिजली विभाग के कर्मचारियों को स्थानीय पार्षद पंकज अरोड़ा ने सही कराने के लिए बुलाया।

बिजली विभाग के कर्मचारी बड़ी कुंज इलाके में लाइट सही कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय निवासी अज्जू पुत्र श्याम सारस्वत विवाद करने लगा।

पार्षद को दी गाली

अज्जू द्वारा की जा रही अभद्रता का जब वार्ड 66 के पार्षद पंकज अरोड़ा ने विरोध किया तो उसने पार्षद को ही गाली देना शुरू कर दिया।

मौके पर मौजूद लोगों ने जब अज्जू को समझाने का प्रयास किया तो वह और आक्रोशित हो गया। इसके बाद अज्जू ने अपने पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को बुला लिया।

भाजपा का इंडिया गठबंधन कर देगा पूरी तरह से सफाया : शिवपाल

इटावा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने दावा किया है कि इंडिया गठबंधन मौजूदा लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का पूरी तरह से सफाया कर रहा है।

इटावा संसदीय सीट से इंडिया गठबंधन उम्मीदवार जितेंद्र दोहरे के समर्थन में जैतपुरा, बंसरी और महेवा में चुनावी सभाओ को संबोधित करते हुये शिवपाल ने कहा कि पहले, दूसरे,तीसरे चरण में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को खासी कामयाबी मिलती दिखाई दे रही है। चौथे चरण में यह कामयाबी और व्यापक नजर आएगी।

इटावा, बंदायूं और मैनपुरी में चुनाव के दिन हुई गुंडागर्दी की घटनाओं का जिक्र करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सत्ता के इशारे पर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी को बुरी तरह से परेशान किया है ताकि इंडिया गठबंधन का वोट प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि जिस तरह की परंपरा सत्ता के इशारे पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियो ने इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी का उत्पीड़न कियार हैं वह यह क्यों भूल जाते हैं कि सत्ता परिवर्तन भी होता है जब सत्ता परिवर्तन होगा तो निश्चित ही है कि यह परंपराएं आगे भी बढ़ेगी लेकिन इसके बावजूद भी वह कुछ नहीं कहना चाहते हैं।

यादव ने कहा कि भाजपा का कोई कार्यकर्ता इंडिया गठबंधन के पदाधिकारी के खिलाफ कोई झूठी भी शिकायत करता है तो पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ऐसी कार्रवाई करने के लिए तैयार हो जाते हैं जैसे इंडिया गठबंधन का पदाधिकारी कोई बड़ा अपराधी हो या फिर उसने कोई और बड़ा जुर्म किया हो।

ट्रैक्टर-ट्राली से कुचलकर युवक की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में ट्रैक्टर ट्राली ने एक युवक को कुचल दिया। युवक की मौके पर मौत हो गई। युवक लकड़ी काम करता था। लकड़ी बेचने के बाद युवक बाइक से वापस घर लौट रहा था। तभी हादसे में उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना जलालाबाद क्षेत्र के मोहल्ला गौसनगर निवासी 25 साल का इमरान लकड़ी काटकर उसको बेचने का काम करता था। कुछ दिन पहले युवक ने लकड़ी बेची थी। उसके बाद युवक बेची गई लकड़ी के पैसे लेने कांट के बरेंडा गांव आया था ।यहां से पैसे लेकर वापस जाते समय ट्रैक्टर ट्राली ने उसको पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि, युवक बाइक से गिरकर रोड पर गिर गया और उसके उपर से ट्रैक्टर ट्राली का पहिया निकल गया। ट्रैक्टर से कुचलकर इमरान की मौके पर मौत हो गई।

लोकसभा चुनाव को लेकर डीआईजी ने आनलाइन मीटिंग कर रेंज पुलिस को दिए निर्देश

डीआईजी ने चुनावी तैयारी, आगामी त्यौहार, जुलूस, रैली में सुरक्षा प्रबंध दुरूस्त रखने के दिए निर्देश

ललितपुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी कलानिधि नैथानी द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 व आगामी त्योहारों के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी राजेश एस., पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ ईरज राजा एवं पुलिस अधीक्षक जनपद ललितपुर मो0 मुश्ताक व रेंज के सभी चुनाव नोडल प्रभारियों के साथ ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से चुनावी तैयारियों की समीक्षा व आगामी त्यौहार, जुलूस, रैली आदि में सहायक नोडल अधिकारी व चुनाव प्रभारियों को सुरक्षा प्रबंध को दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये। डीआईजी द्वारा चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रेन्ज के सभी जनपद प्रभारियों को लाइसेन्सधारी सभी असलहों को शत प्रतिशत जमा कराये जाने के निर्देश दिये गये। चिन्हित एवं निगरानीशुदा सभी

अवांछित तत्वों को भारी से भारी धनराशि से पाबन्द की कार्यवाही अवश्य करा लें तथा गैर जमानती वारंटों की जल्द से जल्द तामीला करा लिया जाये। एसएसटी/एफएसटी की टीमों द्वारा संयुक्त चेकिंग के दौरान नगदी, अवैध शराब, गैर लाइसेंसी शस्त्र व अन्य मादक पदार्थों के जब्तीकरण व बरामदगी की कार्यवाही में बढोत्तरी कर लगातार प्रभावी चेकिंग कराई जाये तथा ऐसी किसी भी अन्य गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाये। अंतर्राज्यीय व अन्तर्जनपदीय बार्डरों की समीक्षा कर पर्याप्त पुलिस बल के साथ निरन्तर चेकिंग कर हर गतिविधि की निगरानी करें । क्रिटिकल /वल्नरेबल क्षेत्रों पर विशेष चौकसी बढ़ाकर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल भी लगाया जाये।

ट्रंप के छोटे बेटे रिपब्लिकन कन्वेंशन में होंगे फ्लोरिडा के प्रतिनिधि

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन ट्रंप को 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में फ्लोरिडा के प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होने के लिए चुना गया है। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ फ्लोरिडा' के अध्यक्ष इवान पावर ने बताया कि 18 वर्षीय बैरन ट्रंप फ्लोरिडा से राष्ट्रीय सभा में 41 प्रतिनिधियों में से एक होंगे। इसी सम्मेलन में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी का आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। देश में नंवबर में चुनाव होने हैं। सबसे पहले खुलासा किया था कि बैरन ट्रंप को प्रतिनिधि बनाया जाएगा।

बलूचिस्तान में 7 पंजाबियों का कत्ल, पाकिस्तान के तीन प्रांतों में अलगाव की आग

इस्लामाबाद। पिछले महीने ही बलूचिस्तान में पाकिस्तान के ही पंजाब प्रांत के रहने वाले 11 लोगों को मार डाला गया था। इनमें से 9 लोगों को तो बस से उतारकर महज इसलिए कत्ल कर दिया गया था क्योंकि वे पंजाबी थे। अब ऐसा ही एक और वाकया बलूचिस्तान के ग्वादर में सामने आया है। ग्वादर में गुरुवार की सुबह 7 लोगों को गोलियों से भून डाला गया। ये सभी लोग मजदूर थे और अपने कमरों में सो रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना ग्वादर के सुरबंदर में हुई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इसे भी क्षेत्रीय आधार पर की गई हिंसा ही माना जा रहा है। माना जा रहा है कि बलूच अलगाववादी संगठनों ही इस घटना के अंजाम दिया है। इससे पहले भी ग्वादर समेत बलूचिस्तान के कई इलाकों में पंजाब के लोगों एवं चीनियों तक को टारगेट करते हुए हमले हो चुके हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी अकसर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी लेती रही है। यह संगठन बलूचिस्तान की स्वायत्तता की मांग करता रहा है। यही नहीं चीनी परियोजनाओं का भी यहां विरोध रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के बनने के बाद से ही बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा जैसे प्रांतों में अलगाववादी आंदोलन चलते रहे हैं। बलूचिस्तान के चीफ मिनिस्टर मीर सरफराज बुगती ने इस घटना को खुला आतंकवाद करार दिया है और कहा कि ऐसा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। बुगती ने कहा कि मारे गए लोगों के परिजनों की पूरी मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम आतंकवादियों और उन्हें मदद देने वालों को छोड़ेंगे नहीं। यही नहीं बुगती ने कहा कि आतंकवादियों से निपटने के लिए जो भी ताकत इस्तेमाल करनी होगी की जाएगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानियों के खून का एक कतरा भी गिराने वालों का हिसाब किया जाएगा। इन प्रांतों में एक बड़े वर्ग का मानना है कि पाकिस्तान ने उनकी संस्कृति, भाषा और हितों को नजरअंदाज किया है। पख्तून तो खुद को एक अलग कौम मानते हुए अलग मुल्क ही मानते हैं। यही नहीं खैबर पख्तूनख्वा के लोगों का अफगानिस्तान के लोगों से भी संपर्क रहा है। दोनों खुद को साझा पख्तून संस्कृति का मानते हैं।

ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरा अमेरिकी पोत...चीन हुआ नाराज

ताइपे । ताइवान के नए राष्ट्रपति के कार्यभार संभालने के दो सप्ताह से भी कम समय पहले ताइवान जलडमरूमध्य से एक अमेरिकी पोत के गुजरने पर चीनी सेना ने अमेरिका की आलोचना की है। इस बीच वाशिंगटन और बीजिंग नियमित सैन्य आदान-प्रदान बहाल करने की कोशिश कर रहे हैं। नौसेना के वरिष्ठ कैप्टन और ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ली शी ने ताइवान जलडमरूमध्य से अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस हेल्सी के गुजरने की आलोचना कर अमेरिका पर बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया। ली ने बताया कि कमांड ने जहाज की गतिविधियों की निगरानी करने के लिए नौसेना और वायु सेना को तैनात किया था। इससे पहले 17 अप्रैल को इस तरह से एक पोत गुजरा था। इस घटना से एक दिन पहले ही अमेरिका और चीन के सेना प्रमुखों ने क्षेत्रीय तनाव को कम करने के लिए बातचीत की थी। इससे पहले नवंबर 2022 में ऐसी बातचीत हुई थी।

बंदरगाह शहर ग्वादर में आतंकी हमला, करीब सात मजदूरों

कराची । पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान क्षेत्र में मौजूद बंदरगाह शहर ग्वादर में हुए एक आतंकी हमले में करीब सात मजदूरों की मौत हो गई। ग्वादर पुलिस थाना प्रभारी (एसएचओ) मोहसिन अली का हवाला देकर बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने सुरबंदर इलाके में ग्वादर फिश हार्बर के पास एक इमारत पर गोलीबारी की, जिसमें सात लोगों की मौत हुई और एक घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमले में मारे गए और घायल व्यक्ति इलाके में बाल काटने की दुकान में काम करते थे। वे पंजाब के खानेवाल के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति को ग्वादर अस्पताल में भर्ती किया गया है। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने ग्वादर में हुए हमले में लोगों के मारे जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके मददगारों को गिरफ्तार करने के लिए सभी प्रकार के बल का इस्तेमाल किया जाएगा। बलूचिस्तान के गृह मंत्री मीर जिया उल्लाह ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि मजदूरों की हत्या करना एक कायरतापूर्ण कदम है और आतंकियों से सख्ती से निपटा जाएगा।

शिकागो में एक भारतीय छात्र लापता.... 2 मई को हुई पिता से बात

वाशिंगटन । अमेरिका के शिकागो में एक भारतीय छात्र 2 मई से लापता है। 25 वर्षीय मास्टर्स छात्र रूपेश चंद्र चिंताकिंडी के लापता होने से हैदराबाद स्थित उनका परिवार चिंतित हो गया है। परिवार छात्र का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास और पुलिस कॉनकॉर्डिया विश्वविद्यालय के मास्टर छात्र चिंताकिंडी का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा, यह जानकर बहुत चिंतित है कि भारतीय छात्र रूपेश चंद्र चिंताकिंडी 2 मई से संपर्क में नहीं है। उन्होंने कहा, वे रूपेश का पता लगाने/संपर्क स्थापित करने की उम्मीद कर रहा है। शिकागो पुलिस ने जनता से भी मदद मांगी है और उनसे ऐसी कोई भी जानकारी मांगी है जो 25 वर्षीय भारतीय छात्र का पता लगाने में मदद कर सके। रूपेश चिंताकिंडी ने आखिरी बार अपने पिता से 2 मई को बात की थी।

ब्राजील में भारी बारिश से आई बाढ़ में मरने वालों की संख्या 100 के पार, कई लोग बेघर

साओ पाउलो। दक्षिण ब्राजील के रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में भारी बारिश से आई बाढ़ में कम से कम 100 लोगों की मौत हो गई है और करीब एक लाख घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। एक सप्ताह में रियो ग्रांडे डो सुल में पांच महीने के बराबर की बारिश हुई, जिससे भयानक बाढ़ आ गई। कई लोग बेघर हो गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य में उफनती नदियों और बाढ़ से करीब 1.45 मिलियन लोग बुरी तरह रप्रभावित हुए हैं और करीब दो लाख लोग अपने घरों से पलायन कर गए हैं। एजेंसी के आंकड़ों के आधार पर, 29 अप्रैल से रियो ग्रांडे डो सुल राज्य में खराब मौसम का दौर शुरू हुआ था जिसमें 99,800 घर या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो हुए हैं। अर्जेंटीना और उरुग्वे की सीमा से लगे राज्य के 497 शहरों में से 414 शहर तूफान से प्रभावित हुए हैं और यहां आपात स्थिति की घोषणा की गई है। बुनियादी ढांचे के साथ-साथ कृषि, पशुधन, उद्योग, वाणिज्य और सेवाओं को 4.6 बिलियन रियल (करीब 904 मिलियन डॉलर) का आर्थिक नुकसान हुआ है। बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने का काम युद्धस्तर पर जारी है।

मास्को में बर्फबारी के बीच ही एक सड़क पार करते हुए लोग।

सुनक की पार्टी का एक और सांसद लेबर पार्टी में हुआ शामिल

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी से एक और सांसद ने दल-बदल कर कहा कि 'टोरी' अब अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी को टोरी नाम से भी जाना जाता है। डोवर से सांसद नताली एलफिस्के ने लेबर पार्टी में शामिल होने के लिए कंजरवेटिव पार्टी छोड़ते हुए, सुनक पर वादे तोड़ने और मुख्य वादे भूलने का आरोप लगाया है। सुनक(43) की पार्टी में पिछले दो हफ्तों में यह दूसरा दल-बदल है। अप्रैल के अंत में कंजरवेटिव सांसद डैन पोल्टर ने पार्टी से नाता तोड़कर लेबर पार्टी में शामिल हुए थे। कुछ दिन पहले तक लेबर पार्टी की कटु आलोचक रहीं एलफिस्के ने अपने इस्तीफे में कहा, जब मैं 2019 में चुनी गई, कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन की राजनीति के केंद्र में थी। पार्टी हमारे देश को आगे ले जाने के लिए भविष्य का निर्माण कर रही थी और अवसर सृजित कर रही थी। उन्होंने कहा, ''तब से, कई चीजें बदल गईं। (उस वक्त प्रधानमंत्री के पद नहीं रहे) ऋषि सुनक के नेतृत्व में किये गए तख्ता पलट में एक निर्वाचित प्रधानमंत्री अपदस्थ हो गए। सुनक के तहत, कंजरवेटिव अक्षमता और विभाजन का पर्याय बन गए हैं। 2019 के चुनावी घोषणा पत्र के वादे को भुला दिया गया।

कई मौकों पर हम प्रथम मददगार रहे हैं, मालदीव के विदेश मंत्री को जयशंकर ने चुन-चुनकर गिनाए भारत के एहसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मालदीव के विदेश मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच संबंधों में गिरावट के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में मुलाकात की। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपने मालदीव दौरे पर आए समकक्ष मूसा ज़मीर का स्वागत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर निर्भर हैं। हालांकि भारतीय पक्ष ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के कार्यभार संभालने के बाद से चीन या उसके राजनयिक बदलाव का उल्लेख नहीं किया। जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे नई दिल्ली ने अपनी पड़ोसी पहले नीति को बनाए रखा और जब भी जरूरत पड़ी द्वीपसमूह राष्ट्र की मदद करने के लिए उपस्थित रहने की नीति पर कायम है।

करीबी और निकटतम पड़ोसियों के रूप में हमारे संबंधों का विकास स्पष्ट रूप से आपसी हितों और पारस्परिक संवेदनशीलता पर आधारित है। जहां तक भारत का सवाल है, ये हमारी पड़ोसी प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण के संदर्भ में व्यक्त किए गए हैं। जयशंकर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज की हमारी बैठक हमें विभिन्न क्षेत्रों में हमारे दृष्टिकोणों के अभिसरण को मजबूत करने में सक्षम बनाएगी। जयशंकर ने कहा कि हमने पहले भी अनुकूल शर्तों पर वित्तीय सहायता दी है। भारत कई मौकों पर मालदीव के लिए प्रथम मददगार रहा है। जयशंकर ने कहा कि हमारे सहयोग ने साझा गतिविधियों, उपकरणों, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण के जरिए आपके देश की सुरक्षा और भलाई को भी बढ़ाया है।

निज्जर हत्याकांड में 3 भारतीयों को हिरासत में लिए जाने पर आया विदेश मंत्रालय का बयान, कनाडा से औपचारिक राजनयिक संवाद नहीं हुआ

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दावा किया कि उन्हें भारत में नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कथित तौर पर जुड़े तीन भारतीयों की गिरफ्तारी के बारे में पता था, लेकिन कनाडा से इस बारे में कोई औपचारिक संचार नहीं हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि कनाडाई अधिकारियों द्वारा आज तक कोई विशिष्ट या प्रासंगिक सबूत या जानकारी साझा नहीं की गई है। इसलिए आप हमारे विचार को समझेंगे कि मामले का पहले से ही आकलन किया जा रहा है। जाहिर है, इसमें राजनीतिक हित काम कर रहे हैं। उन्होंने इस पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि कनाडा अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वालों को राजनीतिक जगह दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि कनाडा में भारतीय राजनयिकों को दण्ड से मुक्ति की धमकी दी गई और उन्हें उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोका गया। हमने कनाडाई अधिकारियों को यह भी बताया है कि भारत से जुड़े संगठित अपराध से जुड़े लोगों को कनाडा में प्रवेश और निवास की अनुमति दी गई है। हमारे कई प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम इन सभी मामलों पर राजनयिक स्तर पर चर्चा कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब भारत ने आरोप लगाया है कि कनाडा में चरमपंथियों को राजनीतिक जगह दी जा रही है। पिछले हफ्ते, भारत ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडाई प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो की ताजा टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा कि ये टिप्पणियां एक बार फिर कनाडा में अलगाववाद, उग्रवाद और हिंसा को दी गई राजनीतिक जगह को दर्शाती हैं।

नासा ने की बड़ी तैयारी- चांद पर चलेगी चंद्रमा एक्सप्रेस ट्रेन

वाशिंगटन (एजेंसी)। चांद पर पिछले कुछ सालों में तमाम देशों की दिलचस्पी भी बढ़ी है और सक्रियता भी। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा चांद पर असंभव जैसा मिशन पूरा करने में लगा है। नासा अगर कामयाब हो गया तो चांद पर इंसानों की चहल-कदमी मुमकिन हो पाएगी। नासा चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा चंद्र एक्सप्रेस को मुमकिन करने में जुटी है। नासा का यह प्रोजेक्ट हालांकि अभी किसी साइंस फिक्शन जैसी फिल्म जैसा लगता है और यकीन मानिए कि अभी यह नामुमकिन जैसा भी है लेकिन, नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले कुछ दशकों में वह ऐसा कर पाएगी। काल्पनिकता को वास्तविकता के चोले में आमादा नासा की टीम चांद पर रेलवे लाइन के लिए फंड भी जुटा रही है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर यह संभव हो गया तो यह मानव जाति के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

वाशिंगटन में नासा के प्रमुख जॉन नेल्सन एनआईएसी कार्यक्रम के बारे में बताते हैं, इस प्रोजेक्ट में काम कर रहे हमारे साथी वैज्ञानिकों की नजर में कोई भी कार्य असंभव नहीं है और वे किसी भी कार्य को यह कहकर नहीं छोड़ देते कि नहीं हो पाएगा या असंभव कार्य है। अपनी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के बारे में बोलते हुए, नासा के वैज्ञानिक जॉन नेल्सन इसे विज्ञान का चमत्कार मानते हैं। उनके अनुसार, इस मिशन के साकार होने की कोई गारंटी नहीं है लेकिन, भविष्य में चांद पर रेल परियोजना किसी दिन एयरोस्पेस मिशन का हिस्सा बन सकती हैं। इस प्रोजेक्ट में चांद पर रेलवे लाइन बिछाने के अलावा मंगल ग्रह पर इंसानों और माल के ट्रांसफर के लिए अत्याधुनिक प्रणाली विकसित करना है। नासा की ये परियोजनाएं इनोवेटिव एडवांस्ड कॉन्सेप्ट्स (एनआईएसी) कार्यक्रम का हिस्सा हैं। इस तरह की कुल छह परियोजनाएं चल रही हैं।

बादलों का 100 हाथियों के बराबर होता है वजन

लंदन (एजेंसी)। हम जो आसमान में बादल देखते हैं तो हमारे मन में कई सवाल उठते हैं। कभी दूध की तरह सफेद तो कभी ज़रा सा स्लेटी रंग लिए हुए ये बादल रुई जैसे और बहुत प्यारे लगते हैं। देखकर तो लगता है कि इन्हें छू लिया आए। ये बादल कैसे चलते है ये कितने भारी या हल्के होते हैं। हमें लगता है कि ये बादल हल्के-फुल्के होंगे। ऐसे ही कुछ दिलचस्प सवाल हमारे मन उठते हैं।

आपको यकीन न हो लेकिन बादल का वज़न कम से कम 100 हाथियों के बराबर होता है। अजीब ज़रूर लग रहा होगा लेकिन बादल का औसत वज़न ही 1.1 मिलियन पाउंड यानि करीब 450 हज़ार किलोग्राम होता है। इसके बावजूद ये हवा में टिके कैसे रहते हैं? आखिर वो क्या चीज़ है, जो इसे ज़मीन पर गिरने नहीं देती है। वैज्ञानिकों की मानें तो हवा में हर तरह मौजूद वाष्प के रूप में पानी गर्म हवा से ऊपर उठता है। जब ये ठंडा होने लगता है, तो इसमें जमा पानी की छोटी-छोटी बूंदों के आकार में इकट्ठा हो जाता है. यही बूंदें पानी हैं। बादल में वज़न पानी का ही होता है। चूंकि बादलों में बनी बूंदों काफी छोटी होती हैं, ऐसे में ये गर्म हवा के सहारे आसमान में टिकी रहती हैं। जब तक ये आपस में मिलकर भारी नहीं हो जातीं, तब तक ये नीचे नहीं आतीं। जब ये भारी हो जाती हैं, तो बारिश, ओले या बर्फ के तौर पर जमीन पर गिरती है बरसती हैं। बादल तब तक यूं ही तैरते रहते हैं, जब तक इनका रास्ता नहीं रुकता। रास्ता रुकने से बूंदों का दबाव बढ़ता है और बादल फटकर पानी जमीन पर गिरने लगता है जिस हम बारिश कहते हैं।

राफा में मिलिट्री ऑपरेशन के विरोध में बाइडेन बोले

- इजराइल राफा में घुसा तो हथियार नहीं देंगे

तेल अबीब (एजेंसी)। बाइडेन ने नेतन्याहू को चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिक राफा में घुसे तो वे इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन ने कहा है कि इजराइल को राफा में मिलिट्री ऑपरेशन और अमेरिकी हथियारों के बीच किसी एक को चुनना होगा। अमेरिका अब तक इजराइल को दिए जाने वाले हथियारों की एक खेप को रोक चुका है। 2 हजार पाउंड के बमों की एक खेप इजराइल भेजी जानी थी। जिसे पिछले हफ्ते रोक दिया गया। पिछले 7 महीनों से जारी जंग के बीच ऐसा पहली बार हुआ।

बाइडेन ने माना कि अमेरिका के हथियारों से गाजा में आम नागरिकों की मौत हुई है। अमेरिका का मानना है कि इजराइल अमेरिका से मिलने वाले बमों का इस्तेमाल राफा के रिहायशी इलाकों में हमलों के लिए कर सकता है। जबकि अमेरिका नहीं चाहता की इजराइल राफा मिलिट्री ऑपरेशन को अंजाम दें।

अभी रिहायशी इलाकों पर हमला नहीं किया

इजराइल ने 7 मई हमास के सीजफायर डील मंजूर करने के बाद गाजा के आखिरी हिस्से राफा में मिलिट्री ऑपरेशन की शुरुआत कर दी थी। बमबारी में 22 लोग मारे गए थे, इनमें 8 बच्चे थे। वहीं इजराइली सैनिकों ने मिस्र को बॉर्डर से लगती राफा क्रॉसिंग पर भी कब्जा कर लिया था। 1 लाख लोगों को इलाका छोड़ देने की चेतावनी दी गई थी। वहीं, बाइडेन का कहना है कि इजराइल ने अभी तक राफा के रिहायशी इलाकों में हमले नहीं किए हैं। हम शुरुआत से ही राफा पर हमले का विरोध करते रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 7 अक्टूबर को हमास के हमले के बाद से लगातार इजराइल को हथियार भेज रहे हैं। अमेरिका राष्ट्रपति का मानना है कि इजराइल को उसकी सुरक्षा का अधिकार है। पिछले कुछ समय से इजराइल को मदद देने पर बाइडेन को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। कई अमेरिकी सांसद भी इजराइल को भेजी जाने वाली मदद पर सवाल उठा चुके थे। इसी कारण से बाइडेन ने इजराइल को भेजी जाने वाली हथियारों की खेप में कमी करनी पड़ी है।

अलगाववादियों की खतरनाक साजिश को लेकर भारतीय राजदूत ने खोली कनाडा की पोल

ओटावा (एजेंसी)। अलगाववादी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के केस में तीन भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद पहली बार हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने चेतावनी दी है कि अलगाववादी ग्रुप बड़ी 'रेड लाइन' को पार कर रहे हैं। इसे भारत राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की क्षेत्रीय अखंडता के मुद्दे के रूप में देखता है। उन्होंने हत्या के मामले को कनाडा के घरेलू अपराध से जोड़ा। वर्मा ने थिंकटैंक 'मॉट्रियल काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' से कहा, 'भारतीय भारत की दशा तय करेंगे, विदेशी नहीं। भारतीय दूत ने कहा कि हालिया नकारात्मक घटनाक्रम के पीछे की गहरी समस्याएं दशकों पुराने मुद्दों के बारे में कनाडा की गलतफहमी से जुड़ी हैं। इन्हें फिर से उभरने के लिए वह भारतीय मूल के कनाडाई लोगों को दोषी मानते हैं। संजय वर्मा ने कहा, 'मुख्य चिंता कनाडा की भूमि से पैदा होने वाले राष्ट्रीय-सुरक्षा संबंधी खतरों को लेकर है। भारत दोहरी नागरिकता को मान्यता नहीं देता, इसलिए जो कोई भी प्रवासी होता है उसे विदेशी माना जाता है। अगर मैं इसे ऐसे कह सकूं कि विदेशियों की भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर बुरी नजर है। यह हमारे लिए एक बड़ी खतरे की रेखा है।' भारत और कनाडा के बीच संबंध कुल मिलाकर सकारात्मक हैं, भले ही उन्हें लेकर बहुत हंगामा हो रहा है। दोनों देश इस मुद्दे का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं। हम किसी भी दिन बातचीत के लिए बैठने को तैयार हैं और हम ऐसा कर रहे हैं।'

संजय वर्मा ने भारत-कनाडा के बीच संबंधों में हो रहीं कई सकारात्मक चीजों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार की वार्षिक वैल्यू 26 बिलियन कनाडाई डॉलर है। पिछले 11 महीनों में कनाडा तक पहुंचने वाली भारतीय दवाओं में 21त्न की वृद्धि हुई है। मंगलवार को सिख फॉर जस्टिस ग्रुप ने भारतीय दूत का भाषण रद्द करने का आह्वान किया था। वहीं कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि हम इन आरोपों पर कायम हैं कि पिछले साल निज्जर की हत्या में भारत सरकार की मिलीभगत थी। जोली ने कहा कि उनका मकसद अभी भी भारत के साथ निजी तौर पर कूटनीति करना है। उन्होंने कहा कि वह मामले पर कोई नई टिप्पणी देने के बजाय पुलिस को जांच करने देंगी। जोली ने मंगलवार को कहा, 'हम इस आरोप पर कायम हैं कि भारतीय एजेंटों ने कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कर दी थी।' पुलिस की जांच का जिक्र करते हुए जोली ने कहा, 'पुलिस की तरफ से जांच की जा रही है। मैं आगे कोई टिप्पणी नहीं करूंगी और हमारी सरकार का कोई अन्य अधिकारी भी कोई टिप्पणी नहीं करेगा।' 18 जून, 2023 को एक गुरुद्वारे के बाहर एक कनाडाई नागरिक निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या से विरोध की लहर फैल गई थी। कुछ अलगाववादी तत्वों ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों के नाम लेकर धमकी दी थी। वहीं दूसरी तरफ अलगाववादी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए तीन भारतीय नागरिकों पहली बार कनाडा की एक अदालत में पेश हुए। विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए यह पेशी हुई। करण बराड़ (22), कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) को पर हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। खचाखच भरी अदालत में तीनों को अलग-अलग पेश किया गया। वे अपने वकीलों से सलाह-मशविरा करने के लिए वक्त दिए जाने की वजह से 21 मई तक मुकदमे की सुनवाई स्थगित करने पर सहमत हुए। कनाडा का आरोप है कि ये लोग उस कथित ग्रुप के सदस्य हैं जिन्हें निज्जर की हत्या करने का काम सौंपा था।

आईपीएल में गुजरात टाइटंस और सीएसके में मुकाबला आज

– प्ले ऑफ की संभावनाओं बनाये रखने जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल के 59 मैच में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। ये मैच सीएसके और गुजरात टाइटंस दोनो के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो चेन्नई के अब तक 11 मैचों में 12 अंक है और ऐसे में गुजरात के खिलाफ जीत से वह प्लेआफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है पर हार से उसकी संभावनाएं कम होंगी। सीएसके ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका हौंसला बढ़ा है। टीम ने 167 रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का सफलता से बचाव कर लिया। उससे उसके गेंदबाजों का हौंसला बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम को अपने पिछले पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा।

इस मैच में अगर सीएसके जीत दर्ज करती है तो वह अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें सीएसके का रन रेट सबसे अच्छा है। जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। वहीं अपने घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात के भी 14 अंक हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है हालांकि इसक बाद भी उसकी राह आसान नहीं है। पिछले पांच मैचों में से चार में उसे हार मिली है। जिससे टीम दबाव में रहेगी। टीम का गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है।

कप्तान शुभमन भी पिछले तीन मैचों से रन नहीं बना पा रहे हैं। इसके अलावा साई सुदर्शन, शाहरूख खान और डेविड मिलर का प्रदर्शन

भी कमजोर रहा है। वहीं उसके गेंदबाज मोहित शर्मा और जोश लिटिल भी प्रभावहीन रहे हैं। उसके स्टार स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद भी अब तक विकेट नहीं ले पाये हैं। वहीं दूसरी ओर चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और कप्तानी की है। उन्होंने 11 मैचों में 541 रन बनाये हैं। सीएसके इस सत्र में अपने कई अच्छे खिलाड़ियों के चोटिल होने से भी मुश्किल में है। गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर और तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि एक अन्य तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान स्वदेश लौट गये हैं। टीम को अब युवा तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली से ही काम चलना होगा। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को भी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण निचले क्रम पर उतरना पड़ रहा है। ऐसे में वह टीम के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पायेंगे।

टीम

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

नीरज चोपड़ा को लग्जरी वॉच ब्रांड ओमेगा ने बनाया ब्रांड एम्बेसडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के घड़ियों के लग्जरी ब्रांड ओमेगा ने खेल दूत के रूप में अपने साथ जोड़ा है। ओमेगा इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक का आधिकारिक 'टाइमकीपर' (स्पर्धाओं के समय के लिए उपकरण मुहैया कराने वाला) है।

भारत के इस स्टार खिलाड़ी को शुक्रवार को डाइमंड लीग के पहले चरण में प्रतिस्पर्धा से पहले दोहा में ओमेगा के स्टोर में आमंत्रित किया गया। इस साझेदारी पर बोलते हुए चोपड़ा ने कहा, 'मैं ऐसे प्रतिष्ठित ब्रांड का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं जो ओलंपिक खेलों में टाइमकीपिंग में इतनी बड़ी भूमिका निभाता है।'

चोपड़ा भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी है। इसके साथ ही वह विश्व चैंपियनशिप में भी अपनी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले एशियाई हैं। ओमेगा 1932 से लगभग सभी ओलंपिक खेलों में आधिकारिक टाइमकीपर रहा है। पेरिस 2024 में ओमेगा 31वीं बार खेलों का आधिकारिक टाइमकीपर होगा।

आईपीएल 2024 : प्लेऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी मुंबई इंडियंस

मुंबई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल लीग मुकाबले में लखनऊ सुपरजाइंट्स को हरा दिया। सनराइजर्स इस जीत के साथ ही 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें 16-16 अंक लेकर पहले और दूसरे स्थान पर हैं। सनराइजर्स की जीत के साथ ही मुंबई इंडियंस प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। मुम्बई इसके साथ ही इस सत्र में प्लेऑफ से बाहर होने वाली बनी पहली टीम बन गयी है।

इस सत्र में नये कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ उतरी मुंबई की टीम 12 मैच खेलने के बाद चार मैचों में जीत के साथ ही केवल 8 अंक ही हासिल कर पायी।

अब उसे बाकि दो मैच खेलने हैं। इसमें अगर वह जीत जाती है तो भी उसके 12 अंक ही होंगे और ऐसे में प्लेऑफ के लिए जरुरी न्यूनतम अंक तक वह पहुंच नहीं पायेगी। प्लेऑफ में पहुंचने शीर्ष चार टीमों में आना होता है।

वहीं अंक तालिका में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स आगे पीछे है। इन दोनों की टक्कर आईपीएल के 64वें मैच में होगी। दोनों ही टीमों के पास अभी दो-दो मैच बचे हैं। वहीं अंक तालिका में दोनों के पास 12-12 अंक है। इसका मतलब है कि इन दोनों में से जो भी टीम इस मैच में जीत हासिल करेगी उसके 14 अंक हो जाएंगे। इस तरह मुंबई के लिए अंतिम चार में जगह बना पाना असंभव होगा। सिर्फ दिल्ली और लखनऊ ही नहीं चेन्नई सुपर किंग्स के भी 12 अंक हैं और उसे अभी तीन मैच और खेलना है।

विराट कोहली इस पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, वह विश्व कप पदक के हकदार हैं : युवराज सिंह

मुम्बई(एजेंसी)। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने विराट कोहली को इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बताते हुए कहा है कि यह स्टार बल्लेबाज किसी से भी ज्यादा विश्व कप पदक जीतने का हकदार है। कोहली का लक्ष्य आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में बेशकीमती ट्रॉफी हासिल करना है, जहां वह छठी बार प्रतिस्पर्धा करेंगे। टी20 विश्व कप में उनकी पहली उपस्थिति 2012 में हुई, भारत द्वारा इस प्रारूप में अपना एकमात्र खिताब जीतने के पांच साल बाद। कोहली का करियर आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में नई ऊंचाइयों पर पहुंचा, जहां उन्होंने सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड बनाया।

स्टार बल्लेबाज ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता, भले ही उनके बेहतरीन साल उनके पीछे थे और समय के साथ उनके तीन अंकों के स्कोर की आवृत्ति कम हो गई थी। युवराज ने कहा कि 2011 में खिताब जीतने के बाद कोहली एक और विश्व कप पदक के हकदार थे। युवराज ने आईसीसी के साथ बातचीत में कहा, 'उन्होंने निश्चित रूप से इस युग में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। मुझे लगता है कि यह सभी प्रारूपों में इस पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। मुझे लगता है कि वह ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें विश्व कप पदक की

जरूरत है। उनके पास एक पदक है। मुझे यकीन है कि वह एक पदक से संतुष्ट नहीं हैं। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से इसके हकदार हैं।'

युवराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अपने खेल को अच्छी तरह समझते हैं। वह जानता है कि अगर वह अंत तक टिकेगा, तो वह भारत के लिए मैच जीतेगा और उसने कुछ बड़े मौकों पर ऐसा किया है - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोहाली में भी। वह जानता है कि इन परिस्थितियों में कैसे बल्लेबाजी करनी है, जानता है कि किस गेंदबाज पर आक्रमण करना है, किस गेंदबाज को सिंगल लेना है, कब दोबारा आक्रमण करना है, दबाव को संभालनाऔर जानता है कि कब अपना खेल बदलना है।'

2016 और 2022 को आयोजन के इतिहास में दो बेहतरीन पारियों के लिए याद किया जाता है, कोहली का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 टी20 विश्व कप में आया, जब उन्होंने प्रतियोगिता के किसी भी संस्करण में सबसे अधिक रन बनाए। कोहली ने उस वर्ष छह मैचों में चार अर्धशतक बनाए और युवराज ने नॉन-स्ट्राइकर छोर से कुछ पारियां देखीं, ने टूर्नामेंट में उनकी बॉल-स्ट्राइकिंग को 'अविश्वसनीय' बताया।

युवराज ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि वह उत्कृष्ट थे। वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे। वह गेंद को अविश्वसनीय रूप से हिट कर रहे थे। और मैंने उनके साथ (फाइनल में) एक छोटी सी साझेदारी की और फिर उन्होंने धोनी के साथ बल्लेबाजी की।' कोहली को टी20 में तेजी से आगे बढ़ने में थोड़ी परेशानी हुई, उन्होंने आईपीएल 2024 में 67.75 की औसत और 148.08 की स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाए। क्या चीज उसे इतना अनोखा बनाती है? युवराज को इसका जवाब पता है।

युवराज बताते हैं, 'मुझे क्यों लगता है कि वह इतना अच्छा था क्योंकि हर बार नेट्स या अभ्यास की स्थिति में, वह नहीं जाता था और सिर्फ गेंदें स्लॉग करता था। नेट्स में वह हमेशा ऐसी बल्लेबाजी करते थे जैसे वह किसी मैच में बल्लेबाजी कर रहे हों। उन्होंने इसे एक के बाद एक दोहराव के बाद दोहराव में डाला। मैंने कई खिलाड़ियों में ऐसा नहीं देखा है। मुझे लगता है कि यही उनकी सफलता की कुंजी है।'

डायमंड लीग भाला फेंक स्पर्धा आज से , नीरज और जेना उतरेंगे

पेरिस ओलंपिक की तैयारी का मिलेगा अवसर

दोहा । भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और किशोर जेना शुक्रवार से यहां शुरु हो रही डायमंडल लीग स्पर्धा से आगामी पेरिस ओलंपिक की तैयारियां शुरू करेंगे। डायमंडल लीग में विश्व चैम्पियन नीरज का मुकाबला ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा। वहीं भारत के ही किशोर जेना डायमंड लीग में पहली बार उतरेंगे। एशियाई खेलों में रजत विजेता जैना का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87 . 54 मीटर है जबकि नीरज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89 . 94 मीटर है। डायमंडल लीग भाला फेंक में यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी भाग लेंगे। इस स्पर्धा में शीर्ष दस खिलाड़ी उतरेंगे। इस लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में शुरु होगा। चोपड़ा ने यहां साल 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने अपने एक बयान में कहा ,'' सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का सफलता में जबरदस्त योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा।'' वहीं टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90 . 88 मीटर का थ्रो फेंका था। चोपड़ा ने डायमंड लीग के तीन अलग अलग चरण जीते हैं और 2022 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी।

सीएसके को छोड़ना मेरे लिए मुश्किल : पथिराना

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के तेज गेंदबाज श्रीलंका के मथीशा पथिराना आजकल चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। पथिराना ने इस सत्र में टीम की ओर से 6 मैच खेलते हुए 7.88 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि अब वह फ्रेंचाइजी को नहीं छोड़ सकते क्योंकि ये उनके जीवन का हिस्सा बन गयी है। मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पथिराना ने कहा कि फ्रेंचाइजी को बीच में छोड़ना उनके लिए कठिन है क्योंकि सीएसके अब मेरे जीवन का हिस्सा है और बेहद पसंद है। इसके बाद भी फिट नहीं होने के कारण मुझे स्वदेश लौटना होगा। उम्मीद है कि अगले साल एक बार फिर मुलाकात होगी। मुझे अपने प्रशंसकों, सीएसके प्रशंसकों से बहुत प्यार मिला है, इसलिए मैं वास्तव में उन्हें वह प्यार वापस देना चाहता हूं, मैं इस तरह के प्रशंसकों से प्यार करता हूं। उन्होंने साथ ही कहा कि यह मेरे लिए वास्तव में अच्छा सीजन था। मैंने छह मैच खेले और 13 विकेट लिए। मुझे लगता है कि मैंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और एक मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भी हासिल किया। मुझे हर जगह से बहुत सारी चीजें सीखनी हैं। इसलिए, इस सत्र में मैंने कोचिंग स्टाफ से भी बहुत सारी चीजें सीखीं, न केवल कोचिंग स्टाफ से, बल्कि महेन्द्र सिंह धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से भी। वहीं इससे पहले सीएसके ने घोषणा की थी कि पथिराना हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण स्वदेश लौटेंगे। साथ ही कहा गया था कि सीएसके आईपीएल 2024 के अपने आगामी मैच में शुक्रवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराया

धर्मशाला। विराट कोहली (92), रजत पाटीदार (55) की तूफानी अर्धशतकीय पारियों और उसके बाद गेंदबाजो के शानदार प्रदर्शन के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 58वें मैच में पंजाब किंग्स को 60 रनों से हराकर प्ले ऑप से किया बाहर कर दिया है।

आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स को जीत के लिए 242 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ओवर में ही कप्तान फाफ डुप्लेसी (9) का विकेट गवां दिया। उन्हें विधवत कावेरप्?पा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में विधवत कावेरप्?पा ने विल जैक्स (12) को भी शशांक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली और रजत पाटीदार ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 76 रनों की साझेदारी की। पाटीदार ने 23 गेंदों में तीन चौके और छह छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में 55 रन बनाये। वहीं विराट कोहली ने 47 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए 92 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक (18), महिपाल लोमरोर (शून्य) पर आउट हुये। कैमरन ग्रीन 27 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (46) रन बनाये। उन्हें आखिरी गेंद पर हर्षल ने आउट किया। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 241 रनों का स्कोर खड़ा किया।

पंजाब किंग्स की ओर से हर्षल पटेल को तीन विकेट मिले। विधवत कावेरप्?पा ने दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह और सम करन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

242 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह (6) का विकेट गवां दिया। इसके बाद जॉनी बेयरस्टो और राइली रूसो ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 65 रनों की साझेदारी हुई। छठे ओवर में बेयरस्टो 16 गेंदों (26) रन बनाकर आउट हुये। राइली रूसो ने 27 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए सर्वाधिक 61 रनों की पारी खेली। शशांक सिंह 19 गेंदों में (37), जितेश शर्मा (5), लियम लिविंगस्टंग (शून्य) , कप्तान सैम करन 16 गेंद में (22), आशुतोष शर्मा (8), हर्षल पटेल (शून्य) और अर्शदीप सिंह चार रन बनाकर आउट हुये। राहुल चाहर पांच रन बनाकर नाबाद रहे। मोहम्मद सिराज ने आखिर तीन विकेट झटकते हुए पंजाब किंग्स की पूरी टीम 17ओवर में 181 रन पर सिमटते हुये अपनी टीम को 60 रनों से जीत दिला दी।

आरसीबी की ओर से मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट लिये। स्वप्रिल सिंह और लॉकी फर्ग्युसन और कर्ण शर्मा ने दो-दो विकेट लिये।

राहुल पर भड़के टीम मालिका संजीव गोयनका का वीडियो वायरल , प्रशंसक बोले ऐसा व्यवहार सहन नहीं करेंगे , कमेंटेटरों ने भी नाराजगी जतायी

हैदराबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स की सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ करारी हार के बाद का वीडियो सामने आया है। जिसमें लखनऊ टीम के मालिक संजीव गोयनका टीम के कप्तान केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर पर भड़के हुए हैं। वहीं इस दौरान राहुल के पास कोई जवाब नहीं था और वह मालिक की सभी बातें सुनते रहे। इससे प्रशंसक बेहद नाराज हुए और उन्होंने गोयनका को हद में रहने की चेतावनी दे दी। प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर कहा कि टीम मालिक को इस प्रकार का खराब व्यवहार नहीं करन चाहिये। इस वीडियो को देखकर कमेंटेटर भी अपना गुस्सा नहीं रोक पाये और उन्होंने कहा कि कोई भी बातचीत ड्रेसिंग रूम के अंदर बंद कमरे में ही होनी चाहिए। वीडियो में दिख रहा है कि गोयनका राहुल के साथ अपनी इस बातचीत में बहुत गुस्से में थे. यह वीडियो सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफार्म पर वायरल हो गया। वीडियो के वायरल होते ही क्रिकेट प्रशंसकों ने कहा कि गोयनका को मैदान पर इस तरह से व्यवहार नहीं करना चाहिये था जबकि कैमरे उन पर ही लगी थे। जो वीडियो सामने आए हैं उससे क्रिकेट प्रशंसकों को ठेस पहुंची है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इन वीडियो को देख कहा कि गोयनका ने जो भी किया वह सही बात नहीं थी। टीम मालिक ने कप्तान ही नहीं कोच लेंगर को भी नहीं छोड़ा।

हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरमनप्रीत सिंह 22 मई से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के यूरोप चरण में भारत की 24 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। भारत यूरोप चरण में कुल आठ मैच खेलेगा। टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा। यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी महत्वपूर्ण प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की श्रृंखला में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं। फुल्टोन ने हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा, 'हम शिविर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेल को लेकर समझ विकसित की है।' उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक से पहले हमें शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा जिससे हमें अपने खेल को मजबूत और बेहतर करने में मदद मिलेगी।' कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग में हमें शीर्ष स्तरीय टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों को अनुभव देने के लिए हमने टीम का चयन किया है और इससे मुझे पेरिस ओलंपिक से पहले खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी प्रारूप में देखने को मिलेगा।% मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया है।

टीमः गोलकीपर = पीआर श्रीजेश, कृष्ण बहादुर पाठक, डिफेंडर = जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, विष्णुकांत सिंह , मिडफील्डर =विवेक सागर प्रसाद, निलाकांता शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल, मोहम्मद रहील मौसीन , फॉरवर्ड =मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंदल और बॉबी सिंह धामी

फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफिकेशन के लिए अभ्यास शिविर दस मई से

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये अभ्यास शिविर दस मई से शुरु होगा। इसमें 26 खिलाड़ी शामिल होंगे। वहीं इसके बाद 15 मई को 14 खिलाड़ी इसमें जुड़ेंगे। वहीं इससे पहले भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य इगोर स्टिमक ने दूसरे दौर

के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। वहीं पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी। संयुक्त क्वालीफिकेशन मुकाबलों में भारतीय टीम को कुवैत और कतर से खेलना है। इसके लिए पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ियों को भुवनेश्वर में 10 मई से भुवनेश्वर में होने वाले अभ्यास शिविर में उतरना है। वहीं दूसरी सूची में शामिल खिलाड़ी 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। दूसरी सूची में शामिल खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी भी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने आईएसएल कप फाइनल खेला। ये 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी इस राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे। भारतीय टीम को छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में कतर से होगा। भारत अभी ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप खेलेंगी।

अगर मुझे दो मैच खेलने को मिलते... सीएसके ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने एक बड़ी बात कही है। उनको इस सीजन अभी तक एक ही मैच खेलने को मिला है, लेकिन वे इससे निराश नहीं हैं। उनका कहना है कि भले ही उनको दो ही मैच सीजन में खेलने को मिलें, लेकिन वे निराश नहीं होंगे, क्योंकि ये टीम कॉम्बिनेशन के चलते ऐसा होता है और टीम को सफलता मिली है तो अच्छा लगता है। मिचेल सैंटनर पिछले कुछ सीजन टीम के लिए लगातार खेल हैं, लेकिन आईपीएल 2024 में उनको सीधे 11वें मैच में खेलने का मौका मिला था, जिसमें उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया।

मिचेल सैंटनर ने सीएसके की सोशल मीडिया टीम को दिए इंटरव्यू में कहा कि, यहां तक कि अगर मुझे दो मैच खेलने को मिलते हैं तो मैं अपना बेस्ट उन दो मैचों में दूंगा। अगर ज्यादा मैच खेलने को मिलते हैं तो अच्छा है, अगर नहीं मिलते तो भी मैं खुश हूं। क्योंकि ये टीम की सफलता के बारे में है और अपनी टीम की सहायता करने के बारे में हैं। उन्होंने ऐसा इसलिए भी कहा कि क्योंकि टीम कॉम्बिनेशन के कारण कई बार अच्छे खिलाड़ी भी प्लेइंग इलेवन में खेल नहीं पाते। इसके पीछे का कारण ये भी है कि आईपीएल में सिर्फ चार ही विदेशी खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में खेलते हैं।

बता दें कि, मिचेल पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला के मैदान पर खेलते उतरे। उन्होंने बतौर बल्लेबाज 11 रन बनाए और 10 रन देकर एक विकेट अपने नाम किया। मिचेल सैंटनर ने गेंदबाजी में पारी की शुरुआत की थी और तीन ओवर में सिर्फ 11 रन दिए और एक सफलता भी हासिल की। उन्होंने खुद को पहले ही मैच में साबित किया। मिचेल सैंटनर सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा आईपीएल में रहे हैं। 2019 में डेब्यू करने के बाद उन्होंने 16 मैचों की 9 पारियों में बल्लेबाजी की और कुल 67 रन बनाए हैं। बतौर गेंदबाज मिचेल सैंटनर को 16 मैचों में 14 विकेट मिले हैं।

विदेश से पैसा भेजने के मामले में भारतीयों ने बनाया नया रिकॉर्ड

- भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले

नई दिल्ली ।

विदेश से पैसा भेजने के मामले में भारतीयों ने नया रेकॉर्ड बना दिया है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने कहा कि भारत को साल 2022 में रेमिटेंस के रूप में 111 अरब डॉलर मिले। यह दुनिया में सबसे अधिक है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहले देश बन गया है। भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं। इनमें से यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं। रेमिटेंस का मतलब प्रवासियों द्वारा मूल देश में मित्रों और रिश्तेदारों को भेजे गए पैसों से है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले में भारत सबसे ऊपर ऊपर रहा। उसे 111 अरब डॉलर से अधिक धनराशि मिली, जिसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर तक पहुंचने और बल्कि इस आंकड़े को पार करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। मेक्सिको 2022 में रेमिटेंस के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। यह स्थान उसने 2021 में चीन को पीछे छोड़कर हासिल किया था। इससे पहले तक चीन भारत के बाद ऐतिहासिक रूप से प्रेषित धन प्राप्त करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा है। रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, भारत 2010 (53.48 अरब डॉलर), 2015 (68.91 अरब डॉलर) और 2020 (83.15 अरब डॉलर) में भी रेमिटेंस के मामले में टॉप पर रहा। उसे 2022 में 111.22 अरब डॉलर का प्रेषित धन मिला। दक्षिण एशिया में तीन देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश रेमिटेंस पाने वाले टॉप 10 देशों में रहे। पाकिस्तान और बांग्लादेश 2022 में क्रमशः करीब 30 अरब डॉलर और 21.5 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। पाकिस्तान छठे और बांग्लादेश आठवें नंबर पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी भी भारतीय मूल हैं। कुल संख्या देश की कुल आबादी का करीब 1.3 प्रतिशत या 1.8 करोड़ है। उसकी ज्यादातर प्रवासी आबादी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब जैसे देशों में रह रही है।

रेखा झुनझुनवाला की नेटवर्थ में 2300 करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली ।

पिछले चार कारोबारी सत्रों में घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। टाइटन समेत कई हाई क्वालिटी शेयर भी बाजार के इस उतार-चढ़ाव से अछूते नहीं रहे। दिवंगत निवेशक राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के निवेश पोर्टफोलियो में भी टाइटन शामिल है। यह टाटा ग्रुप की कंपनी है। टाटा ग्रुप के इस शेयर में एक महीने के भीतर लगभग 497 रुपये की गिरावट देखने को मिली है। सिर्फ एक शेयर के कारण रेखा झुनझुनवाला की नेटवर्थ में 2300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमी आई है। टाइटन का भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश होने के कारण उसकी नेटवर्थ में भी 772 करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट देखी गई है। 31 मार्च, 2024 तक रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन कंपनी में 5.35 फीसदी हिस्सेदारी थी। चौथी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद से ही इस शेयर में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। कंपनी ने चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ में 7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। यह 734 करोड़ रुपये से बढ़कर 786 करोड़ रुपये हो गया।

तिमाही के लिए राजस्व 17 फीसदी बढ़कर 10,047 करोड़ रुपये हो गया। विश्लेषकों के मुताबिक, सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धी का टाइटन पर असर पड़ सकता है। टाइटन के शेयर की कीमत एनएसई पर 3,749 रुपये से घटकर 3,252 रुपये हो गई है। एक सप्ताह में इसे 497 रुपये का नुकसान हुआ है। एलआईसी के पास टाइटन के 1,57,73,161 शेयर हैं, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1.78 फीसदी है। टाइटन की शेयर कीमतों में कमी के कारण एलआईसी की नेटवर्थ में लगभग 784 करोड़ रुपये की कमी आई है।

होंडा सभी कारों पर दे रही 1.15 लाख तक का फायदे ऑफर

-होंडा भारत में बेच रही है फिलहाल तीन ही कारें

नई दिल्ली ।

भारत में होंडा कंपनी अपनी सभी कारों पर 1.15 लाख रुपये तक का फायदे ऑफर कर रही है। कंपनी ने अपने इस ऑफर को सीमित समय का ऑफर कहा है। होंडा भारत में फिलहाल तीन ही कारें बेच रही है, एलीवेट, अमेज़, और सिटी। इन तीनों में से सबसे बड़ा ऑफर होंडा सिटी पर दिया जा रहा है, जबकि एलीवेट का ऑफर इसके सामने काफी बौना नजर आता है। होंडा सिटी फिफ्थ जेनरेशन पर 1,14,500 रुपये के फायदे मिल रहे हैं। जेडएक्स वेरिएंट पर 25,000 रुपये का डिस्काउंट या 26,947 रुपये की असली असेसरीज़ और एक्सचेंज पर 25,000 रुपये का डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। होंडा 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट या 21,396 रुपये की असेसरीज़ और कार एक्सचेंज पर 20,000 रुपये का बोनस भी ऑफर कर रही है। वी एमटी, वी सीवीटी, और वीएक्स एमटी वेरिएंट 10,000 रुपये के डिस्काउंट पर उपलब्ध हैं या 10,897 रुपये की असेसरीज़ ली जा सकती हैं। साथ ही 10,000 रुपये का कार एक्सचेंज बोनस भी दिया गया है। 4,000 रुपये कस्टमर लॉयल्टी बोनस के साथ-साथ 6,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस भी है। 8,000 रुपये का कॉर्पोरेट डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्पेशल कॉर्पोरेट डिस्काउंट दिया जा रहा है। एलीगेंट एडिशन पर 36,500 रुपये के फायदे दिए जा रहे हैं।इस लिमिटेड-पीरियड सेलिब्रेशन ऑफर के तहत सिटी हाइब्रिड के सभी वेरिएंट्स पर 65,000 रुपये का कैश डिस्काउंट दिया जा रहा है। हाइब्रिड सेडान को फिलहाल दो ही वेरिएंट में बेचा जा रहा है - वी और ज़ेडएक्स। कीमत 19 लाख और 20.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। होंडा एलिवेट को 55,000 रुपये के बेनिफिट्स के साथ बेचा रहा रहा है। होंडा अमेज़ के ई वेरिएंट पर 10,000 रुपये का डिस्काउंट या 12,349 रुपये की असेसरीज़ ऑफर की जा रही हैं। बाकी के वेरिएंट्स पर 20,000 रुपये का कैश डिस्काउंट या 24,346 रुपये की असेसरीज़ ऑफर की जा रही हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा को बॉब वर्ल्ड से नए ग्राहक जोड़ने की मिली अनुमति

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंक ऑफ बड़ौदा को करीब सात महीने बाद बॉब वर्ल्ड एप्लिकेशन के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने की अनुमति दे दी। आरबीआई ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक को उसके मोबाइल ऐप बॉब वर्ल्ड के जरिये नए ग्राहक जोड़ने से 10 अक्टूबर, 2023 को रोक दिया था। यह कदम कुछ सुपरवाइजरी चिंताओं के बाद उठाया गया था। पिछले सप्ताह आरबीआई ने ईकॉम और इंस्टा ईएमआई कार्ड के जरिये कर्ज देने पर बजाज फाइनेंस पर भी प्रतिबंध हटा दिया था। बैंक ऑफ बड़ौदा ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि आरबीआई ने आठ मई, 2024 के अपने पत्र के माध्यम से बैंक को बॉब वर्ल्ड पर उपरोक्त उल्लिखित प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाने के अपने निर्णय से अवगत कराया है। बैंक अब लागू दिशानिर्देशों और मौजूदा कानूनों या विनियमों के अनुरूप इस ऐप के जरिये ग्राहकों को जोड़ने के लिए स्वतंत्र है। बैंक ने कहा कि अब वह बॉब वर्ल्ड ऐप पर नए ग्राहकों को शामिल करना दोबारा शुरू कर देगा। इसके साथ ही उसने कहा कि वह नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अक्षय तृतीया पर अच्छी रह सकती है सोने के आभूषणों, सिक्कों की मांग

नई दिल्ली ।

दुनिया के कई देशों में तनाव के बीच मजबूत मांग, निवेशकों की सकारात्मक धारणा और रिटर्न को देखते हुए इस अक्षय तृतीया पर पिछले साल की तुलना में करीब 14 फीसदी अधिक सोना बिकने की उम्मीद है। इस बार देशभर में 25 टन तक सोना बिक सकता है। बाजार के जानकारों ने बताया` कि इस अक्षय तृतीया सोने की मांग बढ़ने की कई वजहें हैं। मसलन, देश की आर्थिक स्थिति मजबूत है। सोने की कीमतें अपने उच्च स्तर से थोड़ी नीचे आई हैं और पिछले 15 दिनों में बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा है। खास बात है कि अक्षय तृतीया पर भारतीय सोना खरीदना शुभ मानते हैं। इन कारकों को देखते हुए उम्मीद है कि इस बार देशभर में 25 टन तक सोना बिक सकता है। पिछली अक्षय तृतीया पर 22 टन सोना बिका था। अक्षय तृतीया का त्योहार 10 मई को मनाया जाएगा। इस बार अक्षय तृतीया के साथ शादियों का सीजन नहीं है। अगले दो महीनों तक देश में कम शादियां होंगी, जिससे दुल्हन के लिए भारी आभूषणों की मांग नहीं दिख रही है। निवेश संबंधी जरूरतों को पूरा करने और आध्यात्मिक भरोसे के लिए इस बार लोग हल्के आभूषण खरीदेंगे। उन्होने कहा कि दुनिया के

कई हिस्सों में तनाव, ब्याज दर में कटौती टलने के संकेत और पिछले दो साल में अक्षय तृतीया पर मिले 19.26 फीसदी तक के रिटर्न को देखते हुए इस समय सोने में निवेश अच्छा फैसला होगा। सोना अगले साल अक्षय तृतीया पर 80,000 का स्तर छू सकता है।

भारत इंटरनेट मामले में टॉप 20 देशों में शामिल

- चीन से चंद फासला, पाक कोसों दूर

नई दिल्ली । करीब 10 साल पहले जब मोबाइल इंटरनेट स्पीड में भारत और पाकिस्तान दोनों ही देश टॉप 100 देशों की लिस्ट से बाहर हुआ करते थे। लेकिन इन 10 साल में भारत ने मोबाइल और ब्रॉडबैंड इंटरनेट स्पीड के मामले में लंबी छलांग लगाते हुए टॉप 20 देशों की लिस्ट में शामिल हो गया है, और अब भारत चीन से बस चंद कदमों की दूरी पर है, जबकि पाकिस्तान अभी भी टॉप 100 की लिस्ट से बाहर है। उकला की ग्लोबल इंटनरेट स्पीड रैंकिंग की बात करें, तो मार्च 2024 में भारत मोबाइल इंटरनेट स्पीड रैंकिंग में 16वें पायदान पर पहुंच गया है। भारत ने फरवरी 2024 के मुकाबले मार्च 2024 के मुकाबले एक पायदान का इजाफा किया है। चीन भारत से चंद कदम दूर 7वें पायदान पर है। हालांकि चीन की मोबाइल इंटरनेट रैंकिंग में पिछले माह के मुकाबले एक पायदान की गिरावट दर्ज की गई है। अगर बात पड़ोसी देश पाकिस्तान की करें, तो पाकिस्तान पिछले माह के मुकाबले मार्च 2024 में 5 पायदान गिरकर 127वें पायदान पर पहुंच गया है।

चीन का निर्यात और आयात अप्रैल में बढ़ा

हांगकांग । चीन के निर्यात और आयात में अप्रैल में फिर से बढोतरी देखी गई है। यह दर्शाता है कि असमान आर्थिक सुधार के बावजूद मांग में सुधार हो रहा है। सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल में निर्यात सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत बढ़ा। मार्च में इसमें 7.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी जो नवंबर के बाद पहली गिरावट थी। अप्रैल में आयात में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो विश्लेषकों की उम्मीदों से अधिक है और मार्च में 1.9 प्रतिशत की गिरावट से ऊपर है। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन ने वृद्धि को बढ़ावा देने तथा विश्वास बढ़ाने के लिए हाल के महीनों में विभिन्न नीतिगत समर्थन उपाय पेश किए हैं। चीन का व्यापार अधिशेष मार्च के 58.55 अरब डॉलर से बढ़कर अप्रैल में 72.35 अरब डॉलर हो गया। कैपिटल इकोनॉमिक्स की जिचुन हुआंग ने एक नोट में कहा कि हमारा अनुमान है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ता खर्च में कमी और कम निर्यात कीमतों से मिलने वाले लाभ में कमी के कारण आने वाले महीनों में निर्यात की मात्रा कम चीन को कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद से वापसी करने में संघर्ष करना पड़ा है। उसे फेडरल रिज़र्व और अन्य केंद्रीय बैंकों के मुद्रास्फीति से निपटने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने के बाद वैश्विक स्तर पर कमजोर मांग से जूझना पड़ा है। चीन के संपत्ति क्षेत्र में मंदी भी वृद्धि पर असर डाल रही है। नीति निर्माताओं ने चीन की अर्थव्यवस्था को बल देने के लिए कई राजकोषीय और मौद्रिक नीति उपाय किए हैं।चीन ने 2024 के लिए पांच प्रतिशत का महत्वाकांक्षी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि लक्ष्य रखा है।

गूगल सीईओ की क्लासमेट ने कड़ी मेहनत से किए अपने सपने साकार

- 2020 में संभाली टिंडर की कमान

नई दिल्ली । शर्मिष्ठा दुबे जमशेदपुर की रहने वाली हैं। लोयोला स्कूल में पढ़ाई के बाद उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर से बीटेक किया। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई उनके व लासमेट थे। वह उस बैच में अकेली महिला थीं। हाल में सोशल मीडिया पर आईआईटी खड़गपुर दीक्षांत समारोह के उन दिनों की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी जिसमें शर्मिष्ठा पिचाई के साथ दिखती हैं। यह तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अनन्या लोहानी नाम की एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने शेयर की थी। उनके पिता आईआईटी, खड़गपुर में सुंदर पिचाई के ही बैच में थे। शर्मिष्ठा दुबे कई लोगों को प्रेरित करती हैं। वह इस बात का उदाहरण हैं कि कड़ी मेहनत और समर्पण से हर सपने को साकार किया जा सकता है। दुबे ने 1998 में टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स में इंजीनियर के तौर पर काम करते हुए अपने पेशेवर सफर की शुरुआत की। उसके बाद वह सप्लाई चेन मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर कंपनी i2 टेक्नोलॉजीज में शामिल हो गईं। साल 2006 में शर्मिष्ठा दुबे मैच डाट कॉम से जुड़ गईं। उन्होंने यहां मैच ग्रुप अमेरिका की प्रेसीडेंट, चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर और द प्रिंसटन रिव्यू की ईवीपी जैसी कई भूमिकाओं में काम किया। दुबे ने 2013-2014 तक ट्यूटर डाट कॉम लिए इवीपी के रूप में भी सेवाएं दीं। 2017 में शर्मिष्ठा को टिंडर का सीओओ नियुक्त किया गया। फिर मार्च 2020 में वह इसकी सीईओ बन गईं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के इस समूह का नेतृत्व किया।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1062 अंक , निफ्टी 335 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी होने से आई है। इसके साथ ही निवेशकों के बीच बढ़ी अनिश्चितता और तिमाही परिणामों में कंपनियों के खराब प्रदर्शन से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे पहले आज सुबह बाजार की सीमित दायरे में शुरुआत हुई पर कारोबार आगे बढ़ने के बाद इसमें तेजी से गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1062.22 अंक करीब 1.45 फीसदी नीचे आकर 72,404.17 अंक पर पहुंच गया। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 335.40 अंक तकरीबन 1.5 फीसदी टूटकर 21,967.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र के बाद मामूली गिरावट लेकर बंद हुआ था।

निवेशकों को तकरीबन 7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

कारोबार के दौरान बाजार में आई इस गिरावट से निवेशकों को तकरीबन 7 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बाजार पूंजीकरण भी घटा है। इससे भी निवेशकों को नुकसान हुआ है। गत दिवस बीएसई का कुल बाजार पूंजीकरण 400.69 लाख करोड़ रुपये था जो घटकर 393.68 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इस तरह निवेशकों को तकरीबन 7.01 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

आज कारोबार के दौरान लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे अधिक 5 फीसदी से ज्यादा गिरे। वहीं एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड के शेयर भी नीचे आये।

दूसरी ओर टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस और एचसीएल टेक और बंधन बैंक व एमएंडएम के शेयर लाभ के साथ बंद हुए।

आज एशियाई बाजारों में, शंघाई और हांगकांग लाभ के साथ बंद हुए, जबकि सियोल और टोक्यो के शेयरों में गिरावट रही। यूरोपीय और अमेरिकी बाजार में मिला-जुला कारोबार हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 6,669.10 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 175 अंकों की गिरावट के साथ ही 73,290 के स्तर पर कारोबार करता दिख रहा था। वही निफ्टी 50, 57 अंक फिसलकर 22,245 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में बेचे 5,590 करोड़ में सभी लग्जरी फ्लैट

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने मजबूत उपभोक्ता मांग के दम पर गुरुग्राम में अपनी नई लक्जरी आवासीय परियोजना के सभी 795 अपार्टमेंट पेश किए जाने के तीन दिन के भीतर 5,590 करोड़ रुपये में बेच दिए। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि परियोजना डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट ने तीन दिन के भीतर करीब 5,590 करोड़ रुपये मूल्य की उल्लेखनीय बिक्री हासिल की। यह नई परियोजना 12.57 एकड़ में फैली है जिसमें 795 अपार्टमेंट हैं। एक अपार्टमेंट की कीमत करीब सात करोड़ रुपये है। इस साल जनवरी में कंपनी ने गुरुग्राम में अपनी परियोजना डीएलएफ प्रिवाना साउथ के भी 1,113 लक्जरी अपार्टमेंट पेश होने के तीन दिन के भीतर 7,200 करोड़ रुपये में बेचे थे। वह परियोजना 25 एकड़ में फैली हुई थी। 'डीएलएफ प्रिवाना वेस्ट और डीएलएफ प्रिवाना साउथ दोनों ही हरियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर 76 और 77 में स्थित 116 एकड़ में फैली टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा हैं। सूत्रों के अनुसार, डीएलएफ को करीब 1,550 और 1,600 ग्राहकों से रुचि पत्र (ईओआई) मिले जो इस नई परियोजना में पेश की जा रही कुल इकाइयों का करीब दोगुना है। यह अल्ट्रा-लक्जरी मकानों की उच्च मांग को दर्शाता है।

निवेश सलाहकार साल में दो बार दें सोशल मीडिया की डिटेलः सेबी

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने निवेश सलाहकारों के लिए समयबद्ध रिपोर्टिंग का एक फॉर्मेट जारी किया। इसमें सलाहकारों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के बारे में भी बताने को कहा गया है। इसमें बताया गया है कि सलाहकारों को फेसबुक, ट्विटर और दूसरे सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी के बारे में साल में दो बार डिटेल देनी होगी। सेबी के नए फॉर्मेट के तहत उन्हें अपने सोशल मीडिया हैंडल, अडवाजरी चार्ज लेने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले बैंक अकाउंट, एनआईएसएम सर्टिफिकेशन की डिटेल, सेबी द्वारा किए गए पिछले निरीक्षण के बारे में जानकारी, आधे साल में जारी किए गए विज्ञापनों का ब्योरा देना होगा। हालांकि, सेबी खुद सोशल मीडिया पर निवेश सलाहकारों की गतिविधियों पर नजर रखता है। लेकिन, अब उसने सोशल मीडिया पर गतिविधियों के डिसक्लोजर को अनिवार्य बना दिया है। ऐसा नहीं करने वाले निवेश सलाहकारों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। अपने नियम में संशोधन करते हुए सेबी ने कहा कि अगर कर्मचारियों की ओर से कोई भी भ्रष्ट गतिविधि सामने आती है तो उनसे ही इसकी भरपाई की जाएगी। यह भरपाई कर्मचारियों के वेतन और उन्हें मिलने वाली अन्य रकम से की जा सकती

है। सेबी के अनुसार किसी कर्मचारी के खिलाफ शुरू की गई कार्रवाई के पेंडिंग रहने के दौरान संबंधित कर्मचारी को मिलने वाली ग्रैच्यूटी को पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से रोका जा सकता है।

सौर ऊर्जा उत्पादन मामले में भारत तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। सौर ऊर्जा उत्पादन मामले में भारत बीते साल जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है। वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहे शोध संस्थान एंबर की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। भारत 2015 में सौर ऊर्जा के उपयोग के मामले में नौवें स्थान पर था। ग्लोबल इलेक्ट्रिसिटी रिव्यू शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 में वैश्विक बिजली उत्पादन का 5.5 प्रतिशत सौर ऊर्जा के रूप में हुआ। वैश्विक रुख के अनुरूप भारत ने पिछले साल कुल बिजली उत्पादन का 5.8 प्रतिशत सौर ऊर्जा से प्राप्त किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हरित बिजली क्षमता बढ़ाना सिर्फ बिजली क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नहीं है। बल्कि अर्थव्यवस्था में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और आर्थिक वृद्धि को उत्सर्जन से अलग करने के लिए भी इसकी आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सौर ऊर्जा ने लगातार 19वें वर्ष दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बिजली स्रोत के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखा है। बीते वर्ष दुनियाभर में कोयले की तुलना में इस स्वच्छ ऊर्जा स्रोत से दोगुने से अधिक बिजली जोड़ी गई। भारत में 2023 में सौर ऊर्जा उत्पादन में जो वृद्धि है, वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी वृद्धि थी। भारत इस मामले में चीन, अमेरिका और ब्राजील से पीछे रहा। इन चारों देशों की सौर ऊर्जा वृद्धि में हिस्सेदारी 2023 में 75 प्रतिशत रही।

जेपी मॉर्गन के इंडेक्स में शामिल होंगे भारतीय बांड

- निजी क्रेडिट बाजार को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई । जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी के बॉन्ड इंडेक्स में भारत के शामिल होने से देश के निजी क्रेडिट बाजारों को फायदा होगा क्योंकि निवेश के लिए बेंचमार्क प्रदान करके भारत ज्यादा फंड के फ्लो का आकर्षित कर सकता है। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बीपीईए क्रेडिट ने यह अनुमान जताया है। बीपीईए क्रेडिट के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह समावेश देश के 1.2 ट्रिलियन डॉलर के सरकारी ऋण बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जिसमें अन्य परिसंपत्ति वर्गों पर भी प्रभाव पड़ेगा। एक बार 28 जून को परिवर्तन प्रभावी हो जाएगा, तो सिंगापुर, कोरिया या अमेरिका में निवेश के साथ भारतीय क्रेडिट फंड के प्रदर्शन की तुलना करना आसान हो जाएगा। यह उन विदेशी निवेशकों के लिए एक संदर्भ बिंदु देता है जो सॉवरेन और कॉरपोरेट बॉन्ड और अन्य परिसंपत्ति वर्गों दोनों को देखते हैं। अधिकारी ने कहा कि 2011 में स्थापित बीपीईए क्रेडिट ने भारत में 1 अरब से ज्यादा का निवेश किया है। निवेशकों ने पहले ही इंडेक्स में शामिल होने के योग्य सॉवरेन बॉन्डों में अरबों डॉलर का निवेश कर दिया है, जिससे कॉर्पोरेट नोटों पर यील्ड कम करने में मदद मिली है।

BUYING OR SELLING A PROPERTY?

LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.

propre
Luxury Real Estate

CONTACT:

INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM
+91 9871577057
@PROPRELUXURYREALESTATE.COM

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in